राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 40 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 13 दिसंबर 2025 www.samaydarshan.in

सांकरा में गूँजा 'श्री शिव महापुराण' का दिव्य नाद, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल हुए शामिल

विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने कथावाचक आचार्य युवराज जी का किया सम्मान

सांकरा(समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सांकरा में आयोजित संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा के पावन आयोजन में क्षेत्र के विधायक डॉ. संपत अग्रवाल शामिल हुए। आध्यात्मिक और धार्मिक आयोजनों के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त करते हुए विधायक डॉ. अग्रवाल ने न केवल कथा श्रवण किया, बल्कि धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

कथा स्थल पर पहुँचकर विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने सबसे पहले भगवान शिव को नमन किया और कथा के मुख्य वाचक पंडित युवराज पाण्डेय जी का मंच पर विधिवत सम्मान किया। उन्होंने पंडित जी को शाल और श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। यह सम्मान धार्मिक विद्वानों के प्रति उनके आदर भाव को दर्शाता है।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने पूरी श्रद्धा और एकाग्रता के साथ श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण किया। कथा समाप्ति के उपरांत उन्होंने पूज्य पंडित युवराज पाण्डेय जी के समीप जाकर न केवल आशिर्वाद प्राप्त किया बल्कि उनसे धर्म, समाज और जीवन

मूल्यों पर चर्चा भी की।

अपने संक्षिप्त उद्बोधन में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने शिव महापुराण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिव महापुराण कथा मात्र एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह हमें जीवन जीने की सही दिशा सिखाती है। यह कथा हमें त्याग, समर्पण, और करुणा के महत्व से परिचित कराती है, जो स्वयं भगवान शिव के व्यक्तित्व में समाहित हैं। यह कथा हमें बताती है कि कैसे जीवन की कठिनाइयों में भी हमें धर्म और सत्य के मार्ग पर अडिग रहना चाहिए। इस प्रकार के आयोजन हमारी संस्कृति और सभ्यता की जड़ों को मजबूत करते हैं। विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस शुभ अवसर पर सांकरा के सभी ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए उन्हें धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। विधायक डॉ. अग्रवाल ने ग्रामवासियों से कहा कि सांकरा के सभी ग्रामवासियों को ऐसे पवित्र आयोजन सफलतापूर्वक कराने के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ। धर्म हमें आपस में जोड़ता है और समाज में सद्भाव, प्रेम तथा एकता स्थापित करता है। हमें कथाओं और धार्मिक आयोजनों से मिलने वाली शिक्षा को अपने दैनिक जीवन में उतारना चाहिए। मैं आप सभी से आह्वान करता हूँ कि आप धर्म, सत्य और सेवा के मार्ग पर चलें, क्योंकि यही मार्ग हमें शांति और समृद्धि की ओर ले जाता है। मुझे विश्वास है कि भगवान शिव की कृपा हम सभी पर बनी रहेगी और इस क्षेत्र का कल्याण होगा। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सीताराम सिन्हा, वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश अग्रवाल,पिथौरा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व जनपद सदस्य पुरुषोत्तम धृतलहरें, विधायक प्रतिनिधि सोनू छाबड़ा, भाजपा मण्डल पिरदा अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान,सुशील प्रधान,सांकरा सोसायटी अध्यक्ष प्रहलाद पटेल,सांकरा और आसपास के बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त-खबर

आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन

रायपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2025 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर 2025 को पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के सभी न्यायालयों में किया जाएगा। यह लोक अदालत तालुका न्यायालय से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक एक साथ आयोजित होगी, जिसमें बड़ी संख्या में राजीनामा योग्य प्रकरणों का आपसी सुलह-सम्मति से निराकरण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के दिशा-निर्देश पर जिलेभर में लोक अदालत के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न थानों में पदस्थ इंस्पेक्टर वॉलंटियर्स अपने-अपने क्षेत्रों में गांव, कस्बों और दूरस्थ इलाकों का दौरा कर रहे हैं।

इसके अलावा— लीगल एड मोबाइल वैन, विभागीय प्रचार वाहन, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, के माध्यम से भी लोक अदालत के लाभों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

किन-किन मामलों का होगा निपटारा-नेशनल लोक अदालत में निम्न प्रकार के राजीनामा योग्य मामलों को सूचीबद्ध किया गया है — दाण्डिक राजीनामा योग्य प्रकरण। चेक बाउंस (धारा 138), बैंक रिकवरी एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरण। मोटरयान अधिनियम से संबंधित चालान प्रकरण। भरण-पोषण धारा 125 के मामले। परिवार न्यायालय के प्रकरण। श्रमिक विवाद। जमीन एवं संपत्ति विवाद। विद्युत एवं जलकर प्रकरण। संपत्ति कर एवं टेलीफोन बिल विवाद। राजस्व से जुड़े प्रकरण। इन सभी मामलों में दोनों पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से समाधान निकालने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

नगर पंचायत पवनी में 30 लाख रुपये की निधि पर गंभीर सवाल अनुविभागी अधिकारी बिलाईगढ़ से किया गया शिकायत

सारँगढ़बिलाईगढ़ -(समय दर्शन)। नगर पंचायत पवनी में अध्यक्ष निधि और पार्षद निधि से लगभग 30 लाख रुपये चार से पाँच माह पूर्व आहरित किए जाने के बावजूद अब तक किसी भी प्रकार का विकास कार्य शुरू नहीं होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस संबंध में पवनी निवासी झुमुक लाल साहू ने अनुविभागीय अधिकारी को विस्तृत शिकायत सौंपी है। शिकायत में कहा गया है कि अध्यक्ष निधि का उपयोग नगर स्तर पर विकास कार्यों के लिए तथा पार्षद निधि का उपयोग संबंधित वार्डों में होना चाहिए था। लेकिन न तो अध्यक्ष निधि से कोई काम हुआ है और न ही किसी पार्षद ने अपने वार्ड में एक भी कार्य कराया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति कहीं न कहीं संभावित अनियमितता या बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की ओर इशारा करती है।

शिकायतकर्ता झुमुक लाल साहू ने बताया कि उन्होंने सभी तथ्य व दस्तावेज अधिकारियों के सामने प्रस्तुत किए हैं। उनके अनुसार, यदि कई माह पूर्व राशि आहरित की गई थी, तो जमीनी स्तर पर इसका कोई प्रमाण नजर न आना बेहद गंभीर सवाल खड़ा करता है। अनुविभागीय अधिकारी ने शिकायत पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा है कि मामले की शीघ्र जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि निधि का उपयोग कहाँ और कैसे हुआ। स्थानीय नागरिकों ने इस पूरे मामले को लेकर गहरी नाराज़गी जताई है। उनका कहना है कि नगर में कई आवश्यक विकास कार्य वर्षों से लंबित हैं। ऐसी स्थिति में लाखों रुपये आहरित होने के बाद भी एक भी कार्य न होना जनता के भरोसे और सार्वजनिक धन के पारदर्शी उपयोग के खिलाफहै।

लोगों ने मांग की है कि इस प्रकरण की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच कर जिम्मेदारों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि जनता का धन सही उद्देश्य पर खर्च हो सके। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि निधि का उपयोग वास्तव में हुआ या नहीं, और यदि नहीं हुआ तो इसके पीछे कारण क्या हैं।

प्रधानमंत्री आवास के लाटरी से 145 हितग्राही हुए लाभान्वित

भिलाईनगर (समय दर्शन)। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (एएचपी) घटक की लाटरी नगर निगम भिलाई सभागार कक्ष में दिनांक 12.12.2025 को आयोजित की गई। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, सभापति गिरवर बंटी साहू, निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, एमआईसी सदस्य संदीप निरंकारी, पार्षद नोहर वर्मा, सत्या देवी जायसवाल एवं आवास विभाग के नोडल अधिकारी अजीत तिग्गा की उपस्थिति में 145 हितग्राहियों की लाटरी निकाली गई।

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में कुल निर्मित/निर्माणाधीन मकानों की संख्या 1749 है, जिसमें से 1053 आवासों आबंटित किया जा चुका है। शेष 696 मकानों में वन्दे मातरम कुरूद 26 मकान, स्वप्निल बिल्डर्स कुरूद 11 मकान, सूर्याविहार के पीछे खम्हरिया 1 मकान, रजत बिल्डर्स शांति नगर 3 मकान, कृष्णा इंजीनियरिंग कालेज के पीछे खम्हरिया 45 मकान, माईल स्टोन के पीछे खम्हरिया 59 मकान का आबंटन लाटरी पद्वति के माध्यम से किया गया। इसमें भूतल के आवेदकों की संख्या 31 एवं अन्य तल के आवेदकों की संख्या 114 कुल 145 आवेदकों को आवास आबंटित किया गया है। लाटरी पश्चात शेष 551 आवासो का आबंटन आगामी समय में किया जाना है। लाटरी के दौरान सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन, आवास प्रभारी विदयाधर देवांगन, सीएलटीसी किरण चतुर्वेदी, उत्पल शर्मा, आदित्य सिंह, युक्ति देवांगन, जी मोहन राव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस आरक्षक भर्ती 2023-24: चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन की तिथियां घोषित

महासमुंद(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के तहत 09 दिसंबर 2025 को जारी चयन सूची के बाद चयनित अभ्यर्थियों के लिए दस्तावेज़ सत्यापन की तिथियां घोषित कर दी गई हैं।

पुलिस अधीक्षक महासमुंद आशुतोष सिंह ने नियुक्ति प्रक्रिया की अगली चरण संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं।

चयनित अभ्यर्थियों को दस्तावेज़ सत्यापन के लिए अपने सभी मूल प्रमाण-पत्र, उनकी तीन-तीन प्रतियां, छह पासपोर्ट साइज फोटो तथा तीन प्रतियों में भरा हुआ अनुप्रमाणन फार्म साथ लाना अनिवार्य है। अनुप्रमाणन फार्म के पेज नंबर 5 पर दिए गए पहचान प्रमाण पत्र को सक्षम प्राधिकारी से सत्यापित करवाकर उसकी तीन प्रतियां भी प्रस्तुत करनी होंगी। अभ्यर्थी निर्धारित तिथि पर पुलिस कार्यालय महासमुंद की स्थापना शाखा में उपस्थित होकर चरित्र सत्यापन हेतु अनुप्रमाणन फार्म भरेंगे और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करेंगे। दस्तावेज़ सत्यापन के लिए तय तिथियां व वर्गवार विवरण :- 13 दिसंबर 2025 (शनिवार), आरक्षक (जीडी) अनारक्षित वर्ग, क्रमांक 01 से 41, कुल अभ्यर्थी: 41, 14 दिसंबर 2025 (रविवार), आरक्षक (जीडी) अन्य पिछड़ा वर्ग, क्रमांक 01 से 12 7 कुल 12 अभ्यर्थी, आरक्षक (जीडी) अनुसूचित जनजाति, क्रमांक 01 से 23 7 कुल 23 अभ्यर्थी,आरक्षक (जीडी) अनुसूचित जाति, क्रमांक 01 से 10 7 कुल 10 अभ्यर्थी। इसके अतिरिक्त इसी दिन निम्न अभ्यर्थियों को भी बुलाया गया है: आरक्षक (चालक) - कुल 3 अभ्यर्थी, अनारक्षित: 1, अन्य पिछड़ा वर्ग: 1, अनुसूचित जनजाति: 1, आरक्षक (ट्रेड - मोची), अनारक्षित: 1, आरक्षक (ट्रेड - डीआर), अनारक्षित: 1, अनुसूचित जनजाति: 1, 15 दिसंबर 2025 (सोमवार)। यह तिथि उन अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित है, जो किसी कारणवश अपनी निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो पाए हों।

पुलिस विभाग की अपील :- पुलिस विभाग ने सभी चयनित अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित तिथि पर संपूर्ण दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित हों, ताकि नियुक्ति से जुड़ी प्रक्रिया बिना विलंब के पूरी की जा सके।

55 लीटर हाथ भट्टी शराब और 557 किलोग्राम लाहन जप्त

महासमुन्द (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा निर्माण और तस्करी के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सरायपाली क्षेत्र में 10 और 11 दिसम्बर को संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए कुल चार प्रकरण दर्ज किए तथा 55 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब और 557 किलोग्राम लाहन जप्त किया। 10 दिसम्बर को कार्रवाई के दौरान सरायपाली वृत्त के चारभाटा क्षेत्र में आरोपी मदन सिंह चौहान के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धाराओं 34(1) (क) (च), 34(2) एवं 59 (क) के तहत प्रकरण कायम किया गया। टीम ने मौके से 10 लीटर हाथभट्टी महुआ शराब तथा 100 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया। कार्रवाई में सराईपाली वृत्त के आबकारी उपनिरीक्षक मिर्ज़ा जफ़र बेग के साथ साकरा के उपनिरीक्षक हृदय कुमार तिरपुडे और अन्य स्टाफ शामिल थे। अभियान के तहत 11 दिसम्बर को सरायपाली क्षेत्र में लगातार तीन कार्रवाईयाँ की गईं। पहले प्रकरण में ग्राम लखनपुर में आरोपी विपिन भाई के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धाराओं 34(1) (क), 34(2) एवं 59 (क)

के तहत प्रकरण दर्ज कर 15 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब जप्त की गई। इसी तरह दूसरे प्रकरण में ग्राम पलसापाली में दो अलग-अलग प्रकरणों में अवैध मदिरा निर्माण की सामग्री बरामद हुई। पहले मामले में आरोपी सोनाबाई जोल्हे के कब्जे से 14 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब और 250 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया। वहीं दूसरे मामले में आरोपी शांता बाई जोल्हे के विरुद्ध समान धाराओं के तहत प्रकरण कायम करते हुए 16 लीटर हाथभट्टी महुआ शराब और 225 किलोग्राम लाहन बरामद किया गया। कार्रवाइयों में सरायपाली, सांकरा और पिथौरा की संयुक्त आबकारी टीम ने सहभागिता निभाई। इस दौरान विवेचक अधिकारी नीरज कुमार साहू के साथ मिर्ज़ा जफ़र बेग, हृदयकुमार तिरपुड़े और आबकारी स्टाफ शामिल रहे। आबकारी विभाग ने बताया कि जिले में अवैध शराब निर्माण और परिवहन के विरुद्ध अभियान सतत जारी रहेगा तथा ऐसे कार्यों में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम में अग्रवाल नर्सिंग होम बसना को किया गया शामिल

बसना (समय दर्शन)। अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के संचालक डॉ एन के अग्रवाल एवं सहायक संचालक डॉ अमित अग्रवाल ने राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत अग्रवाल नर्सिंग होम बसना को शामिल किए जाने पर, वि?ज्ञप्ति के माध्यम से विभाग का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि,इस पहल के माध्यम से महासमुंद जिले के ग्रामीण परिवारों को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जो हमारे लिए अत्यंत गौरव की बात है।

हम श्रीमान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी, जिला महासमुंद, तथा संचालनालय, स्वास्थ्य सेवाएँ, छत्तीसगढ़ के प्रति हृदयपूर्वक धन्यवाद प्रकट करते हैं, जिन्होंने हम पर विश्वास जताते हुए हमें इस महत्वपूर्ण सेवा से जोड़ने का अवसर प्रदान किया है।

उन्होंने बताया कि,अब आंख की समस्या से ग्रसित क्षेत्र के सैकड़ों जरुरत मरीजों को इधर उधर भटकने की जरुरत नहीं पड़ेगी। घर के माहौल में ही अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में ही आंखों से जुड़ी सभी प्रकार के आपरेशन,चेक अप, चश्मा, लेंस,और समुचित इलाज किया जावेगा। यहां आंखों की समस्यायों के लिए प्रख्यात सर्जन डॉ.देवेश अग्रवाल सतत उपलब्ध रहेंगे। हम आगे भी पूरी निष्ठा और समर्पण से समुदाय की सेवा करते रहेंगे।

जिले में शाला संचालन समय में परिवर्तन 15 जनवरी 2026 तक

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने अत्यधिक ठंड और शीतलहर के प्रकोप को तथा बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, बी.एस.पी., सी.बी.एस.ई., एवं अन्य पाठ्यक्रम संचालित विद्यालयों के संचालन समय में तत्काल प्रभाव से परिवर्तन के निर्देश दिए है। यह आदेश 15 जनवरी 2026 तक प्रभावशील रहेगा। परिवर्तित समय सारणी के अनुसार, दो पाली में संचालित होने वाली शालाओं में, प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक की प्रथम पाली सोमवार से शुक्रवार तक पूर्वान्ह 08.00 बजे से पूर्वान्ह 11.45 बजे तक, और शनिवार को अपरान्ह 12.15 बजे से सायं 04.15 बजे तक चलेगी। और हाई/उ.मा.वि. की द्वितीय पाली सोमवार से शुक्रवार तक अपरान्ह 12.00 बजे से सायं 04.45 बजे तक, और शनिवार को पूर्वान्ह 08.00 बजे से पूर्वान्ह 12.00 बजे तक संचालित होगी। वहीं, एक पाली में संचालित होने वाली शालाओं का समय सोमवार से शुक्रवार तक पूर्वान्ह 10.00 बजे से सायं 04.00 बजे तक और शनिवार को पूर्वान्ह 08.00 बजे से पूर्वान्ह 12.00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

सरसींवा में विकास की नई राह : भाजपा प्रवक्ता बेदराम जांगड़े के प्रयासों से प्रारंभ हुआ एसडीएम लिंक कोर्ट

सारंगढ बिलाईगढ़ -सरसींवा (समय दर्शन)। क्षेत्र के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता और लोकप्रिय जननेता बेदराम जांगड़े के निरंतर प्रयासों एवं जनहितैषी पहल से एसडीएम लिंक कोर्ट की शुरुआत हो गई है। वर्षों से चल रही यह मांग अब पूरी होने के साथ ही सरसींवा और आसपास के गांवों के हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी । आज एसडीएम लिंक कोर्ट स्थापना के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम प्रफुल्ल रजक सहित सरसींवा नगर के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

उल्लेखनीय है कि अब तक राजस्व, नामांतरण, बंटवारा, नक्शा-खसरा, जाति-निवास-आय प्रमाणपत्र, विवादित मामलों,ज्ञापन तक के लिए सहित कई प्रशासनिक कार्यों के लिए लोगों को बिलाईगढ़ के चक्कर लगाने पड़ते थे।

लिंक कोर्ट शुरू होने से— लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता खत्म, समय और धन दोनों की बचत, राजस्व एवं प्रशासनिक मामलों का त्वरित निराकरण, स्थानीय स्तर पर न्यायिक सुविधा उपलब्ध, ग्रामीणों को परेशानी से मुक्ति, वृद्ध-महिलाओं को विशेष राहत, व्यापार एवं स्थानीय गतिविधियों को गति, बेदराम जांगड़े लंबे समय से क्षेत्र की समस्याओं को मुख्यमंत्री, प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाते रहे हैं।

उनकी लगातार पैरवी, संवाद और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि आज सरसींवा में यह महत्वपूर्ण सुविधा प्रारंभ हुई है। स्थानीय लोग उन्हें जमीनी, संघर्षशील और कर्मठ नेता की संज्ञा देते हैं, जो हमेशा जनता की आवाज को शासन तक मजबूती से पहुँचाते हैं।

लिंक कोर्ट की शुरुआत पर बुद्धिजीवियों, अधिवक्ताओं, व्यापारी वर्ग, सामाजिक संगठनों, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

सबने एक स्वर में कहा कि यह सुविधा सरसींवा को प्रशासनिक रूप से एक नए स्तर पर ले जाएगी। क्षेत्र के बुद्धिजीवियों,गणमान्य नागरिकों ने बेदराम जांगड़े के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह कदम जनता को वास्तविक रूप से लाभान्वित करने वाला है। सरसींवा तहसील में श्री जांगड़े के प्रयासों से एसडीएम लिंक कोर्ट जैसी सुविधा मिली है जिसकी जरूरत वर्षों से थी। सरसींवा में एसडीएम लिंक कोर्ट की शुरुआत न सिर्फएक प्रशासनिक प्रक्रिया है बल्कि यह क्षेत्र के विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

श्याम बालाजी कॉलेज में डीएलएड कार्यक्रम का समापन, प्राचार्य ने दी शुभकामनाएँ

बसना सहित राज्य के कई क्षेत्रों से आए छात्राध्यापक हुए शामिल

छात्राध्यापकों ने दी गीत, संगीत और नाटक की प्रस्तुति

महासमुन्द (समय दर्शन)। श्याम बालाजी कॉलेज महासमुंद में पंडित सुंदर लाल शर्मा (मुक्त) विश्विद्यालय के डीएलएड द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों का 10 दिवसीय संपर्क कक्षा का आयोजन 2 दिसम्बर से किया गया। संपर्क कक्षा का समापन समारोह 12 दिसंबर को आयोजित किया गया।

संपर्क कक्षा के दौरान छात्राध्यापकों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विविध गतिविधियाँ की। छात्राध्यापकों ने विषयों के संबंध में गहरी समझ, माइक्रो टीचिंग, क्लासरूम मैनेजमेंट, ञ्जरू सहित कई विषयों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। इस दौरान छात्राध्यापकों ने सहयोग की भावना से काम करना तथा कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यवहारिक अनुभव प्राप्त किया।

समापन समारोह के दिन छात्राध्यापकों ने गीत-संगीत, नृत्य, नाटक और भाषण की मनमोहक प्रस्तुति दी। छात्राध्यापकों ने महाविद्यालय के प्राचार्य सहित सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंकिता चंद्राकर ने सभी छात्राध्यापकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. अंकिता चंद्राकर, डॉ. संजय साहू, उमा चौधरी,निर्मल बंजारे, तोपराम कुर्रे, शीतल साहू सहित कॉलेज के स्टाफ डीएलएड द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक, कॉलेज के बीएड के छात्राध्यापक सहित अन्य मौजूद रहे।

छठवीं के नवीन पाठ्य-पुस्तकों पर आधारित प्रशिक्षण का आयोजन बसना में सम्पन्न

बच्चों को पढ़ाई के प्रति रूचि जागृत करने हेतु रोचक तरीके व नवाचारी गतिविधि से अध्यापन कराना जरूरी-बीईओ जोल्हे

बसना (समय दर्शन)। कक्षा छठवीं के नवीन पाठ्य-पुस्तकों पर आधारित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन शासकीय हाई स्कूल बड़े टेमरी में किया गया।यह प्रशिक्षण विकास खंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, विकास खंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक समग्र शिक्षा अनिल सिंह साव, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कँवर के मार्गदर्शन व निर्देशानुसार प्रशिक्षण प्रभारी शिक्षक प्रेमचन्द साव,राजेश कुमार भोई,विज्ञान विषय के बी.आर.जी.अमित कुमार चौरसिया,ज्वाला प्रसाद नर्मदा,जितेन्द्र भोई,अंग्रेजी विषय के बी.आर.जी.राजू साहू,योगेश साहू,पुरंदर डड़सेना के द्वारा विज्ञान और अंग्रेजी विषय का अध्यापन कराने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं को एनईपी 2020 के तहत रोचकपूर्ण, गतिविधि आधारित,नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से अध्यापन कराने हेतु प्रशिक्षित किया गया। एफ एल एन विकास खंड नोडल शरण दास के द्वारा हरगोविंद खुराना सहित भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान को विस्तारपूर्वक बताया गया। शासकीय हाई स्कूल बड़े टेमरी के प्राचार्य हरिकृष्ण बेहरा ने विषय आधारित प्रशिक्षण के महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया।

विकासखण्ड स्त्रोत केंद्र समन्वयक समग्र शिक्षा अनिल सिंह साव ने कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली बनाना है जो छात्र-छात्राओं को सिर्फजानकारी न दे, बल्कि उन्हें सोचने,समझने और देश के विकास में योगदान करने में सक्षम बना सकते हैं।आगे उन्होंने शिक्षक के दायित्व, समय-चक्र निर्माण व उसका पालन, स्वच्छ विद्यालय परिसर, नियमित विद्यार्थी विकास सूचकांक का प्रकाशन, शिक्षक डायरी नियमित लिखने, दस्तावेज़ीकरण, सीखने के तीन चरण-ध्यान से सुनना,सुनने के बाद अभ्यास, गलतियों पर चिंतन मनन करने आदि पर बातें की।'

विद्यालयों में शिक्षाक्रम एवं शिक्षण शास्त्र नवीन ढाँचें के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए विकास खंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को कहा कि तार्किक चिंतन,सृजनात्मकता, सहयोग की भावना, समूह में कार्य करना,रटने की सभी प्रतिक्रिया को खत्म करके बच्चों में विश्लेषण, तर्क,संवाद और जीवन में ज्ञान के उपयोग को विकसित करने के लिए हमें बच्चों को गतिविधि आधारित शिक्षण,रोचक तरीके व नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से अध्यापन कराना होगा। आगे उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य भारत में एक समग्र,लचीली और समावेशी शिक्षा प्रणाली बनाना है जो विद्यार्थियों को रटने की बजाय वैचारिक समझ, रचनात्मकता को बढ़ावा दे। भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हो और सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके एक जीवंत ज्ञान समाज का निर्माण करना है। बीआरजी राजू साहू द्वारा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या,अंग्रेजी विषय के प्रशिक्षण प्रभारी राजेश कुमार भोई द्वारा एन ई पी के उद्देश्य को बताते हुए पंचकोश से परिचय कराया गया।

विज्ञान विषय के प्रशिक्षण प्रभारी व बीआरजी प्रेमचन्द साव ने विज्ञान विषय को रोचक तथ्य,कहानी, विज्ञान नाटिका व कविता के माध्यम से पढ़ाकर रोचक बनाने के बारे में विस्तारपूर्वक बताकर प्रमुख अनुभव आधारित व गतिविधि आधारित विज्ञान गतिविधियां-प्रयोगशाला प्रयोग, पर्यावरण अध्ययन भ्रमण, घरेलू वस्तुओं से प्रयोग, प्रोजेक्ट व मॉडल निर्माण, समूह चर्चा कर निष्कर्ष निकालना, गतिविधि आधारित शिक्षण,भूमिका निर्माण, परियोजना विधि आदि द्वारा अध्ययन अध्यापन कराने से जिज्ञासा व खोज की प्रवृत्ति विकसित, संकल्पना स्थाई रूप से समझ, आत्मनिर्भरता, सहयोग की भावना एवं विज्ञान के प्रति रूचि व जिज्ञासा उत्पन्न होने के बारे में बताया गया।

Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 40 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शनिवार 13 दिसंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक, लेकिन डब्ल्यूएचओ के मानक नहीं मानती सरकार

नईदिल्ली। दिल्ली समेत पूरे देश में वायु प्रदूषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गुरुवार को यह मुद्दा राज्यसभा में उठाया गया तो केंद्र सरकार ने इस पर जवाब दिया है। केंद्र ने बताया कि देश अपने वायु गुणवत्ता मानक खुद ही तय करता है और विभिन्न संगठनों द्वारा जारी वैश्विक वायु गुणवत्ता रैंकिंग को कोई आधिकारिक मान्यता प्राप्त नहीं है। केंद्र ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशानिर्देश सिर्फ सलाह है और अनिवार्य मानक नहीं हैं।

राज्यसभा में पूछा गया था कि आईक्यूएयर की विश्व वायु गुणवत्ता रैंकिंग, डब्ल्यूएचओ का वैश्विक वायु गुणवत्ता डेटाबेस, पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक और वैश्विक रोग भार जैसे वैश्विक सूचकांकों में भारत की क्या स्थिति है। पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देश केवल देशों को भूगोल, पर्यावरणीय स्थितियों और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपने स्वयं के मानक तैयार करने में मदद करने के लिए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई वैश्विक प्राधिकरण आधिकारिक रैंकिंग आयोजित नहीं करता, सरकार अपने वार्षिक स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के जरिए देश में वायु गुणवत्ता का मूल्यांकन करती है, जो राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत 130 शहरों को सुधार के आधार पर रैंक करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने जन स्वास्थ्य और पर्यावरण गुणवत्ता की रक्षा के लिए 12 प्रमुख प्रदूषकों के लिए अपने राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक को पहले ही अधिसूचित कर दिया है। स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी फर्म आईक्यूएयर ने महीना पहले संकलित आंकड़ों में बताया था कि भारत 2024 के लिए डब्ल्यूएचओ के कड़े वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहा है। इस साल मार्च में जारी रिपोर्ट में भारत में धुंध का स्तर वैश्विक स्तर पर 5वां और दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में 13 भारत के हैं। असम का बायर्नीहाट इस सूची में सबसे ऊपर है, जबकि दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी घोषित की गई है।

राहुल गांधी ने बुलाई कांग्रेस सांसदों की बैठक, बिना कारण बताए गायब रहे शशि थरूर

नईदिल्ली। कांग्रेस पार्टी और केरल के तिरुवनन्तपुरम से सांसद शशि थरूर के बीच में क्या चल रहा है, इसकी जानकारी किसी को नहीं, लेकिन थरूर का व्यवहार कई सवालों को जन्म दे रहा है। राष्ट्रपति की विशेष दावत में शामिल होने के बाद अब शुक्रवार को थरूर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बैठक से बिना बताए अनुपस्थित रहे। हालांकि, उन्होंने बैठक में न आने की सूचना दे दी थी, लेकिन कारण किसी को नहीं बताया।

थरूर के कांग्रेस की बैठक से अनुपस्थित रहने का यह दूसरा मामला है। इससे पहले वे 30 नवंबर को कांग्रेस की रणनीतिक समूह की बैठक से गायब थे। थरूर गुरुवार रात को प्रभा खैतान फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कोलकाता गए थे, जिसे कारण में वे समय पर दिल्ली नहीं लौट सके। इससे पहले 30 नवंबर को वह केरल में थे और विमान में होने की वजह से बैठक छूट गई थी।

इससे पहले भी थरूर खराब स्वास्थ्य के कारण मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर कांग्रेस की चर्चा में शामिल नहीं हुए थे। थरूर की लगातार बैठकों से अनुपस्थिति ने कांग्रेस नेताओं की चिंता बढ़ा दी है, जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए आयोजित रात्रपति के विशेष भोज में वह शामिल थे। उस विशेष भोज में उनके पार्टी के नेता राहुल गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की दावत न होने पर भी थरूर वहां गए थे।

कफ सिरप मामले में ईडी ने गुजरात-झारखंड समेत 25 जगह छापा मारा

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश से चल रहे एक अवैध कफ सिरप नेटवर्क की जांच के लिए 25 ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी की टीम ने लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर और सहारनपुर के साथ गुजरात के अहमदाबाद और झारखंड के रांची में भी कई परिसरों की तलाशी ली है। एजेंसी ने कफ सिरप नेटवर्क की आड़ में मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत समन्वित तलाशी अभियान चलाया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने कोडीन-आधारित कफ सिरप के दुरुपयोग और उससे जुड़े अवैध व्यापार के बार-बार सामने आने के बाद लगभग 30 एफआईआर दर्ज की थी। इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया है। केंद्रीय एजेंसी को शक है कि इस मामले में अपराध से प्राप्त संदिग्ध धनराशि लगभग 1,000 करोड़ रुपये है। मामले में उत्तर प्रदेश में अभी तक 32 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

छत्तीसगढ़ का पहला रामसर साइट बना कोपरा जलाशय

कोपरा जलाशय की सफलता छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय

रायपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर जिले का कोपरा जलाशय अब छत्तीसगढ़ का पहला रामसर साइट बन गया है। इसकी घोषणा के बाद पूरे प्रदेश में प्रसन्नता का माहौल है। यह दर्जा उन आर्द्रभूमियों को दिया जाता है जो जैवविविधता, जल संरक्षण और पर्यावरणीय महत्व के लिए वैश्विक स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि कोपरा जलाशय की यह सफलता छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि जलाशय की विशिष्ट पारिस्थितिकी, स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की विविधता तथा जल परितंत्र की समृद्धि ने इसे रामसर मान्यता के योग्य बनाया है।

वन मंत्र कश्यप ने राज्य वेटलैंड प्राधिकरण, पर्यावरणविदों, वन विभाग के अधिकारियों, शोधकर्ताओं और स्थानीय समुदायों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि सभी की संयुक्त मेहनत और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता से यह उपलब्धि संभव हो सकी है।

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अंतर्गत वर्ष 2030 तक 20 वेटलैंड्स को रामसर साइट का दर्जा दिलाने के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कोपरा जलाशय के रामसर साइट घोषित होने से प्रदेश में वेटलैंड संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और इको-टूरिज्म के नए अवसर भी विकसित होंगे। इससे स्थानीय समुदायों को रोजगार मिलेगा और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर की सुरक्षा और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि वेटलैंड्स का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक मजबूत प्राकृतिक विरासत छोड़ने का संकल्प भी।

नक्सलवाद मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प तेजी से हो रहा साकार: मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सुकमा जिले में फ्पूना मारगेम ड्ड पुनर्वास से पुनर्जीवनफ्र कार्यक्रम के तहत दरभा डिवीजन कमेटी सहित विभिन्न नक्सली संगठनों से जुड़े 10 माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण को ऐतिहासिक और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बताया। उल्लेखनीय है कि इनमें 6 महिला माओवादी भी शामिल हैं, जिन पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि नक्सलवाद मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प अब केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि तेजी से साकार होती वास्तविकता बन रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई अब अपने निर्णायक मोड़ पर है।

केंद्र सरकार ने बदला मनरेगा का नाम, अब होगी 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना'

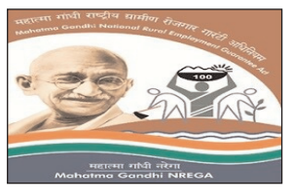

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 12 दिसंबर को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोज़गार योजना' करने को मंजूरी दे दी है. यह भारत की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीबों को काम की गारंटी देकर उनके जीवनस्तर को बेहतर बनाना है. सरकार ने योजना में दो अहम बदलाव भी किए हैं. पहला, गारंटीकृत रोजगार दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है. दूसरा, न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाकर 240 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है. इन बदलावों से लाखों ग्रामीण परिवारों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है.

इस योजना की शुरुआत वर्ष 2005 में 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)' के रूप में हुई थी. बाद में इसे महात्मा गांधी के नाम पर मनरेगा कहा जाने लगा. अब सरकार ने योजना का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' कर दिया है, ताकि ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन के उद्देश्यों को एक नई पहचान मिल सके. यह कानून भारत में 'काम करने के अधिकार' की अवधारणा को मजबूत करता है. इसका मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अकुशल श्रमिकों को रोजगार की सुरक्षा प्रदान करना है. योजना के तहत हर ग्रामीण परिवार के इच्छुक वयस्क सदस्यों को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है.

आंध्र प्रदेश में तीर्थ यात्रियों से भरी बस सड़क से उतरकर पलटी, 15 की मौत

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामाराजू जिले में शुक्रवार तड़के तीर्थ यात्रियों से भरी एक बस सड़क से उतरकर पलट गई, जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हुई है। हादसा सुबह करीब 4-30 बजे तुलसिपाकलू गांव के पास चिंतूर-मारेदुमिल्ली घाट पर हुआ है। बस चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही थी, जिसमें चालक और सफाईकर्मी समेत 37 लोग सवार थे। घटना में करीब 20 लोग घायल हुए हैं। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि चित्तूर जिले की यह बस भद्राचलम मंदिर के दर्शन के बाद तीर्थ यात्रियों को लेकर अन्नावरम जा रही थी, तभी वह सड़क से उतरकर घाटी में जा गिरी। संभवत: घने कोहरे के कारण बस चालक दुर्घटनास्थल पर स्थित मोड़ को नहीं देख पाया, जो मोथुगुडेम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में पड़ता है। हालांकि, बस पूरी तरह खाई नहीं गिरी थी, वह गिरकर फंस गई थी। यात्रियों में 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में 8 दिसंबर को असम के तिनसुकिया जिले से मजदूरों को ले जा रहा एक वाहन गहरी खाई में गिर गया था। हादसे में 19 मजदूरों के मारे जाने की खबर दी गई थी। सभी मजदूर तिनसुकिया जिले थे, जो दिहाड़ी पर काम करते थे। हादसा हैयूलियांग-चगलागाम इंडो-चीन बॉर्डर रोड पर खतरनाक पहाड़ी मोड़ पर हुआ, जहां सड़क काफी संकरी है और कई हिस्सों में काफी तीव्र ढलान है।

सरकार ने जनगणना के लिए बजट जारी किया, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई भी मंजूर

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2027 में होने वाली जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 16 जून, 2025 के राजपत्र में अधिसूचित जनगणना 2 चरणों में आयोजित की जाएगी। वहीं, सरकार बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा 74 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने जा रही है। इससे जुड़े विधेयक को भी मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जनगणना का कार्य 2 चरणों में किया जाएगा- पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में संपन्न होगा। उन्होंने प्रक्रिया के महत्व पर जोर देते हुए जनगणना को %भारत के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया% बताया। उन्होंने बताया कि भारत 150 सालों से अधिक समय से जनगणना के रिकॉर्ड रखता आ रहा है, जो इस ऐतिहासिक डेटाबेस की निरंतरता और महत्व पर जोर देता है। अश्विनी वैष्णव ने कहा, 2027 की जनगणना पहली डिजिटल जनगणना होगी। जनगणना का डिजिटल डिजाइन डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। यह 2 चरणों में आयोजित की जाएगी।

लूथरा बंधुओं को लेने भारतीय अधिकारी बैंकॉक पहुंचे, भारत आते ही होगी गिरफ्तारी

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड

नईदिल्ली (एजेंसी)। गोवा के नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा को थाईलैंड से वापस भारत लाने की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। भारतीय अधिकारी दोनों भाइयों की कस्टडी लेने के लिए थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंच चुके हैं। वहीं, थाईलैंड के अधिकारी दोनों को फुकेट से बैंकॉक ले आए हैं। यहां दोनों को आव्रजन कार्यालय में रखा गया है, जिसकी तस्वीर भी सामने आई है। इसके बाद कागजी कार्यवाही कर भारतीय अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों को वापस लाने में अभी कुछ दिन और लग सकते हैं। चूंकि, दोनों के पासपोर्ट निलंबित कर दिए गए हैं, इसलिए थाईलैंड के अधिकारी उन्हें भारत की यात्रा के लिए आपातकालीन प्रमाण पत्र जारी करेंगे। इसके बाद दोनों के भारत आने का रास्ता साफ होगा। इससे पहले कुछ कागजी कार्यवाही भी होगी। गोवा के डीजीपी आलोक कुमार ने बताया कि इस प्रक्रिया में कम से कम 4 दिन लगेंगे।

लूथरा बंधुओं को भारत में उतरते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि उन्हें बैंकॉक से पहले दिल्ली और फिर गोवा लाए जाने पर विचार हो रहा है। गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर दोनों को गोवा की कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस दोनों की हिरासत की मांग कर सकती है। वहीं, दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने दोनों की अग्रिम जमानत याचिका पहले ही खारिज कर दी है।

इस मामले में पुलिस लगातार लोगों से पूछताछ कर रही है। अब अरपोरा-नागोआ गांव के सरपंच रोशन रेडकर पुलिस के सामने पेश हुए हैं। बता दें कि अरपोरा गांव में ही बिर्च बाय रोमियो लेन क्लब था। इससे पहले सरपंच और पंचायत सचिव रघुवीर बागकर ने पणजी में जिला और सत्र न्यायालय में याचिका दायर कर गिरफ्तारी से अंतरिम राहत की मांग की थी। कोर्ट से राहत मिलने के बाद दोनों पुलिस के सामने पेश हुए।

लूथरा बंधुओं ने जमानत याचिका में कहा, हमारी सुरक्षा को सीधा खतरा है। हमारी गोवा में हत्या कर दी जाएगी। हमारे दूसरे रेस्टोरेंट पर तुरंत बुलडोजर चला दिया गया है। हम जांच में शामिल होंगे। हमने जल्द से जल्द दिल्ली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और बिना देर किए जांच में शामिल होंगे। अगर हम आज रात को भारत आएं और जांच अधिकारी आधी रात को पेश होने के लिए कहेंगे, तो हम होंगे।

गोवा के अरपोरा स्थित बिर्च बाय रोमियो लेन क्लब में 7 दिसंबर की रात आग लग गई थी। इसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि क्लब ने अवैध निर्माण किया था, आने-जाने का रास्ता तंग था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 5-5 लाख और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

एक लाख का जुर्माना

अल्पसंख्यक स्कूलों को आरटीई छूट वाले फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जतायी नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के प्रावधानों से अल्पसंख्यक स्कूलों को छूट देने वाले अपने पिछले फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की. शीर्ष अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत उसके फैसले को चुनौती देने वाली रिट याचिका दायर करना न्यायिक प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है.

यह मामला न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ के सामने आया. पीठ, ने कहा कि इस तरह के मामले दायर कर न्यायपालिका का स्तर न गिराएं. और याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया. पीठ ने कहा कि यह दूसरों के लिए एक संदेश होना चाहिए.

पीठ ने कड़े शब्दों में कहा, आप सुप्रीम कोर्ट के साथ ऐसा नहीं कर सकते. हम बहुत नाराज हैं. अगर आप इस तरह के मामले दायर करना शुरू कर देंगे, तो यह देश की पूरी न्यायपालिका प्रणाली के खिलाफ है. पीठ ने आगे कहा, आप अपने मामले की गंभीरता को नहीं जानते. हम खुद को सिर्फ 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाने तक ही सीमित रख रहे हैं.

सुनवाई के दौरान, पीठ ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा, इस तरह के मामले दायर करके इस देश में न्यायपालिका का स्तर न गिराएं. यह क्या हो रहा है? क्या वकील इस तरह की सलाह दे रहे हैं? हमें वकीलों पर भी जुर्माना लगाना पड़ेगा.

पीठ ने टिप्पणी की, आप कानून जानने वाले नागरिक हैं, पेशेवर हैं और आप अनुच्छेद 32 के तहत इस अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर करते हैं? यह घोर दुरुपयोग है! हम खुद को रोक रहे हैं. हम अवमानना नोटिस जारी नहीं कर रहे हैं... क्या आप इस देश की न्यायपालिका को ध्वस्त करना चाहते हैं? शीर्ष अदालत ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया.

शीर्ष अदालत ने ये कड़ी टिप्पणियां यूनाइटेड वॉयस फॉर एजुकेशन फोरम नामक एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कीं. एनजीओ ने निर्देश देने की मांग की थी कि अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को दी गई छूट असंवैधानिक है, क्योंकि यह उन्हें आरटीई के दायित्वों से पूर्ण प्रतिरक्षा (छूट) देती है. 2014 के फैसले में यह घोषित किया गया था कि आरटीई अधिनियम अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक स्कूलों पर लागू नहीं होता है. यह अनुच्छेद धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के अधिकारों की रक्षा करता है.

रामगोपाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी सरफराज को फांसी, 9 को उम्रकैद; कोर्ट छावनी में तब्दील

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले को दहला देने वाले महाराजगंज हिंसा और रामगोपाल मिश्रा हत्याकांड में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा ने मामले के मुख्य आरोपी सरफराज को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई है, जबकि इस जघन्य अपराध में शामिल अन्य 9 दोषियों को उम्रकैद की सजा मुकर्रर की है। इस फैसले के मद्देनजर पूरे कोर्ट परिसर और जिले के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और पूरा इलाका छावनी में तब्दील नजर आया। यह मामला पिछले साल 13 अक्टूबर 2024 का है, जब हरदी थाना क्षेत्र के महाराजगंज में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। इसी उपद्रव के दौरान रेहुवा मंसूर गांव के रहने वाले युवक रामगोपाल मिश्रा की निर्मम तरीके से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद इलाके में करीब एक सप्ताह तक तनाव और बवाल जारी रहा था।

'पूरे साल हवाई टिकटों की कीमतों को नहीं कर सकते नियंत्रित', लोकसभा में बोले राममोहन नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो संकट के दौरान हाल ही में हवाई किराये में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली थी। जिसके बाद सरकार ने टिकटों के किराये पर लिमिट लगा दी। अब सरकार ने हवाई किराये को नियंत्रित करने को लेकर बड़ा बयान दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने संसद में शुक्रवार को बताया कि हम पूरे साल हवाई किराये को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। त्योहारों के दौरान कीमतें बढ़ जाती हैं।

'हवाई किराये पर सीमा लगाना व्यावहारिक नहीं'

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार के लिए पूरे देश में हवाई किराये पर सीमा लगाना व्यावहारिक नहीं होगा। उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि एक अनियंत्रित बाजार आखिर में उपभोक्ताओं को ही लाभ पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को विकसित होने देने के लिए नियंत्रण पर से ढील दी गई थी।उन्होंने कहा कि जिन देशों ने असाधारण वृद्धि देखी है, उन सभी ने बाजारों को अनियंत्रित रखा है। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा कंपनियों को क्षेत्र में आने का प्रोत्साहन मिलता है और सहयोग के दरवाजे खुलते हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा, 'इसके चलते बाजार की गतिशीलता को स्वाभाविक रूप से काम करने की इजाजत मिलती है, जिससे मांग और आपूर्ति अपनी स्वाभाविक भूमिका निभा पाती हैं। आखिरकार इसका सबसे ज्यादा फायदा यात्रियों को ही मिलता है।'

हवाई किराये पर नियंत्रण लगाने की मांग वाले एक सदस्य के निजी विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया, 'नियंत्रण हटाने का विचार अभी भी कायम है, अगर हम नागरिक उड्डयन क्षेत्र को विकसित करना चाहते हैं, तो सबसे पहली और जरूरी आवश्यकता इसे नियंत्रण से मुक्त रखना है। जिससे बाजार में और कंपनियां आ सकें।' नायडू ने बताया, 'बाजार के नियंत्रण में ढील दिए जाने के बावजूद, विमान अधिनियम अपने हालिया रूप में केंद्र सरकार को असाधारण परिस्थितियों में, जहां दुरुपयोग की संभावना हो, दखल देने और हालात को सुधारने का अधिकार देता है।

संपादकीय

किराएदार के अधिकारों का संरक्षण

यह सोच अपने-आप में सही जगह पर है कि मकान किराए पर लगाने का कारोबार औपचारिक दायरे में आए और जहां अपने मकान की सुरक्षा को लेकर मालिक आश्वस्त हों, वहीं किराएदार के अधिकारों का भी संरक्षण हो। भारत सरकार का कहना है कि मकान किराया संबंधी नए नियमों में उसने मकान मालिक और किरायेदार दोनों के हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। इसके तहत पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। चूंकि अब मकान किराए पर देने से संबंधित दस्तावेज का 60 दिन के अंदर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा, इसलिए समझा जा सकता है कि नए नियमों का मकसद टैक्स वसूली को सुनिश्चित करना भी है। बहरहाल, यह सोच अपने-आप में सही जगह पर है कि मकान किराए पर लगाने का कारोबार औपचारिक दायरे में आए और जहां अपने मकान की सुरक्षा को लेकर मालिक आश्वस्त हों, वहीं किराएदार के अधिकारों का भी संरक्षण हो। तो प्रावधान किया गया है कि मकान मालिक मनमाने तरीके से किराया नहीं बढ़ा पाएंगे, सुरक्षा जमा (डिपॉज़िट) की सीमा तय कर दी गई है और किराया वृद्धि को भी नियमित किया गया है। आवासीय मकसद के लिए किराए पर लगाए गए मकान के मालिक अब दो महीने से अधिक का डिपॉज़िट नहीं ले सकेंगे। खासकर बड़े शहरों में चलन छह महीने या सालभर का एडवांस किराया लेने का रहा है। साथ ही मकान मालिक अब अचानक किराया नहीं बढ़ा पाएंगे। इसके लिए उन्हें पहले से नोटिस देना होगा। इसी तरह मकान मालिक अब किसी किरायेदार को अचानक घर खाली करने के लिए मजबूर नहीं कर सकेंगे। इसके लिए निश्चित नोटिस पीरियड और कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। किराएदार किसी मरम्मत के लिए शिकायत करता है, तो मकान मालिक को ऐसा 30 दिन के अंदर कराना होगा। वरना, किराएदार को अधिकार होगा कि वह खुद मरम्मत करवा कर आए खर्च को किराए में एडजस्ट कर ले। उधर चूंकि किराएदारी के हर समझौते का डिजिटल स्टांप करवा कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा, तो उससे मकान मालिकों को सुरक्षा मिलेगी। यह भी तय किया गया है कि संबंधित ट्रिब्यूनल को सभी विवादों का निपटारा 60 दिन के अंदर करना होगा। ये अच्छी पहल है। मगर, यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत होगी कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जैसी प्रक्रियाएं उलझाऊ ना हों तथा इसे कराने की सारी जहमत किराएदारों को ही ना उठानी पड़े।

मैकाले की विरासत का अभिनंदन

हरिशंकर व्यास

मैकाले को बेचारा माने या महान? इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने कोसा है। कहा है कि मैकाले भारतीयों की 'गुलामी की मानसिकता' का ज़िम्मेदार है। पर फिर अगले दिन उन्होंने मैकाले की विरासत का अभिनंदन किया। मत्था टेका। पेचीदा मसला है। सोचें, भारत की आज बनावट और बुनावट क्या है? नरेंद्र मोदी यदि बतौर प्रधानमंत्री सत्ता भोग रहे हैं, तो किसके कारण? इसके लिए वे संविधान को पूजते हैं। और इस संविधान की बनावट-बुनावट क्या है? मोटामोटी अंग्रेज़ मैकाले का सपना। मैकाले, बर्क, जेम्स मिल, लॉर्ड कर्ज़न यानी मालिक अंग्रेज़ों के क़ानूनों, इस्पाती खांचे-ढांचे की शासन-पद्धति का एक कलमबद्ध ग्रंथ! पर क्या इस सत्य का भान हम भारतीयों को है? लगभग नहीं। यही मैकाले-अंग्रेज़ों की महान उपलब्धि है। वे एक ऐसी क़ौम, एक ऐसा देश रच गए जिन्हें इतना भी अहसास नहीं कि स्वतंत्र भारत की बनावट का आधार ही गुलामी की अंग्रेज़ व्यवस्था है। यही मैकाले, लॉर्ड कर्ज़न या ब्रिटिश संसद से ठप्पा लगे हुए भारत सरकार अधिनियम 1935 को लागू करवाने वाले गवर्नर-जनरल लॉर्ड विलिंग्डन की महानता का प्रमाण है। ये भारतीयों को इतना अज्ञान में डुबो गए कि उन्हीं की विरासत वाला शासन और उसका संविधान आज भी यथावत है पर उसे प्रधानमंत्री मोदी पूजते हैं और अपने को विश्वगुरु भी कहते हैं! मैकाले की शिक्षा नीति से निश्चित ही एक सीमा तक (आखिर उससे पहले भी सदियों से गुलाम थे) भारतीयों में गुलामी की मानसिकता बनी। पर उसका आज़ादी के बाद और पुख्ता होना तो स्वतंत्र भारत के शासन-सत्ता तंत्र से ही है। इस तंत्र के राजाधिराज पिछले ग्यारह वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी स्वयं हैं। और वे संविधान की महिमा का बखान करते हुए नागरिकों से क्या आह्वान करते हैं? यह कि संविधान में बताए कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से निभाना चाहिए। और क्या हैं ये कर्तव्य? मतलब—सरकार को माईबाप मानो। सत्ता की शान में कोई गुस्ताख़ी नहीं। पता है, नागरिकों को कर्तव्यों में बाँधने और सरकार को मनमानी करने की सुविधा देने वाला संविधान प्रावधान कब बना था? जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया हुआ था। कर्तव्य की बात 1950 के मूल संविधान में नहीं थी। इन्हें सोवियत संविधान से प्रेरित होकर इंदिरा गांधी ने आपातकाल के समय मौलिक कर्तव्य के नाम से 42वें संशोधन (1976) में संविधान में डलवाया था। पर इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी का फर्क है। उन्होंने या उनके आगे-पीछे के किसी प्रधानमंत्री ने सत्तावान बनने के बाद संविधान की वह पूजा-अर्चना नहीं की, जैसी नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद से लगातार करते हैं। जबकि हिसाब से संघ परिवार और भारतीय संस्कृति के विचारकों ने संविधान को लेकर संविधान सभा की बहस में यह कहा हुआ है कि यह मानो अंग्रेज़ शासन की रचना है। संविधान सभा में डॉ. रघुवीर से लेकर के.एम. मुंशी, के.टी. शाह, एच.वी. कामथ, संपूर्णानंद, रविशंकर शुक्ला आदि कई कांग्रेसी, वामपंथी, राष्ट्रवादी नेताओं ने संविधान के भारतीयकरण यानी देशज बनाने के ढेरों तर्क दिए और भाषण किए। डॉ. रघुवीर ने भारत की सभ्यतागत राष्ट्र (हिंदू राष्ट्र नहीं) की रचना के लिए सांस्कृतिक तत्वों—ऋत, सत्य, धर्म-जन्य कर्तव्य, राष्ट्रीय भाषा—जैसे सूत्रों को संविधान में समाहित करने की आवश्यकता बताई। उनका आग्रह था कि भारत का संविधान केवल क़ानून का दस्तावेज़ न हो बल्कि यह भारतीय सभ्यता का भाव-दस्तावेज़ भी हो। पर उन्हें नहीं सुना गया। तभी उन्होंने अंत में कहा—यह संविधान भारतीय नहीं लगता; यह भारत की धरती में उगा हुआ वटवृक्ष नहीं, बल्कि विदेशी पौधा है। डॉ. रघुवीर से भी अधिक मुखर के.एम. मुंशी, एच.वी. कामथ, के.टी. शाह थे।

देश की राजधानी किसी बुरे सपने से कम नहीं है

योगेंद्र योगी

देश में वोट बैंक की राजनीतिक के समक्ष पर्यावरण प्रदूषण जैसे मुद्दे हाशिए पर धकेले जाते रहे हैं। राजनीतिक दल इसे समस्या तो मानते हैं किन्तु इसके स्थायी निदान के लिए न तो कोई कार्ययोजना है और न ही इच्छाशक्ति। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र भीषण प्रदूषण की मार झेल रहा है। यही वजह है कि प्रदूषण की भयावहता तमाम क्षेत्रों में तरक्की को मुंह चिढ़ा रही है। सरकारों और राजनीतिक दलों की बला से प्रदूषण प्रभावित इन क्षेत्रों के करोड़ों लोगों बेशक तिल-तिल करके मरते रहें। इसके विपरीत नेताओं का सरोकार सिर्फ चुनाव जीतने भर तक सीमित रह गया है। सत्तारुढ़ और विपक्षी दल इस मुद्दे पर चिंता जताने तक सीमित हैं। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में विपक्ष के कुछ सांसदों ने अपने चेहरों पर मॉस्क लगाया और प्रदूषण के खिलाफ नारे लिखे तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों का नेतृत्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किया। एक बैनर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर थी जिस पर लिखा था 'मौसम का मजा लीजिए'। सरकारी नजरिए से देखें तो राजधानी दिल्ली और आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण लाइलाज समस्या बन चुका है। हर साल सर्दी का मौसम आते ही दिल्ली का इलाका गैस चैंबर बन जाता है। इस बात से सत्तारुढ़ और विपक्षी दल अनजान नहीं हैं। इसके बावजूद कोरी बयानबाजी के अलावा लोगों को उनके हाल पर छोड़ रखा है। दिल?ली का औसत एक?यूआई लेवल 377 तक दर्ज हो चुका है। ऐसे में लोगों को सांस लेने में दिक?कत और आंखों में जलन की समस?या देखने को मिल रही है। आनंद विहार, बवाना, चांदनी चौक जहांगीर पुरी, जवाहरलाल नेहरू स?टेडियम और नेहरू नगर में एक?यूआई लेवल 400 के पार तक पहुंच गया। दिल?ली की हवा में घुला जहर कम कब होगा। इस सवाल का जवाब इस समय शायद किसी के पास नहीं है। शायद इसीलिए डॉक?टरों ने साफ कह दिया है कि बच?चों की सेहत ठीक रखना चाहते हैं, तो कुछ दिनों के लिए दिल?ली छोड़ दीजिए।

दिल्ली में एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट के लिए डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण के बड़े कारण ट्रांसपोर्ट, पराली है। गाड़ियों से फैले प्रदूषण का हिस्सा 18.42त्न था। आंकड़ों के हिसाब से 16.31त्न प्रदूषण के अन्य सोर्स हैं, जिसमें आतिशबाजी, डीजल जनरेटर जैसे सोर्स शामिल है। शादियों के सीजन की वजह से आतिशबाजी हो भी रही हैं। अगले तीन दिन इन अन्य सोर्स का प्रदूषण का हिस्सा और बढ़कर 43.4त्न तक जाने का अनुमान है। दिल्ली में एक्यूआई 400 तक के खतरानक स्तर को छू चुका है, जो वायु प्रदूषण की गंभीर हालत दिखाता है। वहीं मुंबई में भी ये 200 के करीब पहुंच गया था, जिसके बाद वहां ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप 4) लागू किया गया। हालांकि दिल्ली में अभी ग्रैप 4 लागू नहीं किया गया। उल्टे दिल्ली एनसीआर में 26 नवंबर को ग्रैप 3 की पाबंदियां भी वापस ले ली गई थीं। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने शहर में निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी थी। देवनार, मलाड, बोरीवली, अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पवई और मुलुंड जैसे इलाकों में प्रदूषण की खराब स्थिति के बाद ये फैसला लिया गया था।

दिल्ली में प्रदूषण पराली जलने, वाहनों के धुएं और कारखानों से निकलने वाला कार्बन उत्सर्जन जिम्मेदार है। हवाओं की रफ्तार धीमी पड़ने से हालात और खराब हो जाते हैं। हालांकि मुंबई और अन्य समुद्री इलाकों में प्रदूषण की स्थिति बेहतर रहती है, क्योंकि वहां हवा चलने के कारण प्रदूषणकारी तत्व शहर से दूर चले जाते हैं। मुंबई में मेट्रो, फ्लाईओवर जैसे बड़े निर्माण कार्य, वाहनों की बढ़ती तादाद और कचरा जलाने जैसी वजहों से हालत बिगड़ी है। मुंबई जैसे समुद्री इलाकों में एक्यूआई बढ़ना खतरे की घंटी है। मुंबई में ग्रैप-4 की पाबंदियों के बाद एक्यूआई 150 से नीचे आ गया, जबकि दिल?ली की हवा में अब भी दम घुट रहा है। मुंबई की हवा अब सांस लेने लायक हो गई है। यहां कई जगह एक?यूआई लेवल 100 के आसपास हो गई। हालांकि, दिल?ली में एक?यूआई लेवल अब भी कई जगह 400 के पार है। हवा की गति बढ़ने और पानी छिड़काव जैसे उपायों से मुंबई में हवा की गति बढ़ने और पानी छिड़काव जैसे उपायों से मुंबई में एक्यूआई स्तर 150 से नीचे आने में मदद मिली। दुनिया भर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था आईक्यूएआईआर की नवीनतम लाइव रैंकिंग में भारत की राजधानी दिल्ली इस सूची में पहले स्थान पर रही। जबकि दूसरे स्थान पर उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद 251 के एक्यूआइ के साथ दर्ज है। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान का लाहौर (एक्यूआइ 215), चौथे पायदान पर बांग्लादेश की राजधानी ढाका 211, एक्यूआइ के साथ है। भारत का कोलकाता भी 211 के एक्यूआइ के साथ पांचवें स्थान पर है। देश की राजधानी दिल्ली में एयर इमरजेंसी है। राजधानी दिल्ली गैस चैंबर बन गई है। राजधानी दिल्ली हांफ रही है, खांस रही है। दिल्ली की हवा ज़हरीली हो गई है। दिल्ली में हर व्यक्ति हर पल अपने फेफड़ों में ज़हर भर रहा है। दिल्ली को डिटॉक्स करने की ज़रूरत है। दिल्ली-एनसीआर इलाके की इन दिनों जैसे बस यही पहचान बन गई है। देश ही नहीं दुनिया भर के अख़बारों-समाचार चैनलों, वेबसाइट्स में दिल्ली की हवा सुर्ख़ियों में है। दिल?ली एनसीआर में इस समय धुंध नहीं बल्कि, हवा में मौजूद धूल के कारण है, वो धूल जो कभी कंस्ट्रक्शन की वजह से कभी पोल्यूशन की वजह से कभी पराली की वजह से घटना हो रही है। ये लटके हुए कण जो धूल के हैं ये पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण इसमें शामिल हैं। इसका मतलब यह है कि एक दिन की दिल्ली की हवा में सांस लेना करीब 50 सिगरेट के पीने के बराबर है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिल्ली की हवा का क्या हाल है। रोज पीने-उपयोग करने वाला भूजल भी अब दिल्ली में सुरक्षित नहीं बचा है। केंद्रीय भूमिजल बोर्ड की नई रिपोर्ट बताती है कि इस पानी में यूरेनियम जैसे खतरनाक तत्वों के साथ नाइट्रेट, फ्लोराइड, लेड और ज्यादा नमक तक मिला हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि राजधानी के कई हिस्सों से लिए गए भूजल के नमूनों में यूरेनियम की मात्रा सामान्य सीमा से कहीं अधिक पाई गई। यूरेनियम धीरे-धीरे शरीर में जमा होता है और गुर्दों, हड्डियों और शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुँचा सकता है। रिपोर्ट में साफ हुआ कि पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, लेड और ज्यादा नमक भी पाया गया है। नाइट्रेट ज़्यादातर गंदे पानी और खाद से जमीन में रिसकर आता है। फ्लोराइड बढ़ने से दाँत और हड्डियाँ कमज़ोर होने लगती हैं। लेड शरीर के दिमागी विकास पर भारी असर डालता है और बच्चों व गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद खतरनाक है। नमक और घुले पदार्थ ज्यादा होने से पानी पीने लायक नहीं रह जाता और पाचन व गुर्दों पर दबाव पड़ता है। दिल्ली में लगातार ज़्यादा गहराई तक बोरिंग होने लगी है, जिससे ऐसे हिस्सों का पानी ऊपर आ रहा है जहाँ मिट्टी में खुद ही खनिज और भारी तत्व मौजूद रहते हैं। दूसरी ओर, सीवर रिसाव, गंदे पानी का जमीन में घुसना और रासायनिक कचरे का सही निस्तारण न होना भी भूजल को ज़हरीला बना रहा है। जमीन रिचार्ज होने की जगह घट गई है और पानी अपना प्राकृतिक संतुलन खो रहा है।

दिल्ली में हवा और पानी दोनों ही गंभीर रूप से प्रदूषित हो रहे हैं। वायु प्रदूषण के साथ-साथ जल प्रदूषण भी लोगों के लिए बड़ी समस्या बन रहा है। दिल्ली में हर साल सर्दियों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है और यमुना में झाग भी बनने लगते हैं। कालिंदी कुंज इलाके में यमुना नदी में सफेद झाग दिखाई दिए। विशेषज्ञों का कहना है कि यह झाग पानी में मौजूद फॉस्फेट, डिटर्जेंट और औद्योगिक अपशिष्टों के कारण बनता है। यह न सिर्फ नदी के पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद खतरनाक है। सवाल यही है कि आखिर देश की राजधानी दिल्ली वायु-जल प्रदूषण को लेकर और कितनी रसातल तक जाएगी। आखिर नेताओं और सरकारों की कुंभकर्णी नींद कब खुलेगी। चुनी हुई सरकारों से उम्मीद की जाती है कि जनहित का ख्याल रखेंगी। इस लिहाज से दिल्ली किसी बुरे सपने से कम नहीं है।

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोर्चाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके। निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। गजवा हिंद के प्रलापों के प्रतिकार में भगवा हिंद का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि यह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगी बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा। इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह कथन कि राम का नाम अनंत है, पर पुरुषार्थ के बिना सिर्फ नाम से रामराज्य नहीं आएगा एक सीधा संकेत है कि हिंदू समाज को संगठित, सक्रिय और आत्मनिर्भर होना होगा।

इस व्यापक परिदृश्य का मुख्य केंद्रबिंदु राजनीति है। क्या यह सब आगामी विधानसभा चुनावों का संकेत है? बंगाल की राजनीति लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका के आसपास घूमती रही है और ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज के भरोसे को अपने समर्थन की नींव बनाया है। परंतु यदि हिंदू मतदाता नए सांस्कृतिक उभार से प्रेरित होकर एकजुट होते हैं, तो पहली बार बंगाल की सत्ता-समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा और संघ परिवार का प्रयास भी इसी दिशा में है कि धार्मिक सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना का मंच बनाकर हिंदू अस्मिता को वैचारिक शक्ति प्रदान करना। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और धार्मिक प्रवचनीय हस्तक्षेपों द्वारा बंगाल में हिंदू एकता और पहचान को जागृत करने की रणनीति अपनाई जा रही है। इस राजनीतिक परिपाटी में बाबा बागेश्वर जैसे मंच प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं, धर्म-सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना की पाठशाला में बदला जा रहा है। साध्वी ऋतंभरा का बंगाल में सक्रिय होना उसी रणनीति की कड़ी है, क्योंकि उनका सशक्त भाषण हिंदू भावनाओं को झकझोरता है। बंगाल जिसकी पहचान बौद्धिक विनम्रता, कविता, महात्म्य और सहिष्णुता से जुड़ी रही है, वह अब टकराव, ध्रुवीकरण और प्रतिआक्रामकता की ओर बढ़ता दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में भावनात्मक आवेश बढ़ रहा है और नेताओं द्वारा इस माहौल को चुनावी लाभ के लिए साधने की त्रासद कोशिशें तेज हैं। यह परिस्थिति बंगाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौतीपूर्ण है। फिर भी एक बात निर्विवाद है-बंगाल में एक नई चेतना, एक नई आकांक्षा जन्म ले रही है। यह पूर्ण क्रांति है या क्रांति का शंखनाद, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, परन्तु प्रारंभिक संकेत स्पष्ट हैं। हिंदू पहचान की राजनीति बंगाल में निर्णायक होती जा रही है, मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति पहली बार चुनौती में दिखाई दे रही है और ममता बनर्जी की सत्ता को सांस्कृतिक विरोध का नया मोर्चा मिला है। अब यह समय बताएगा कि यह उभार सत्ता बदलता है या सामाजिक संवाद को बदलता है। लेकिन इतना तो तय है कि बंगाल की राजनीति अब केवल विकास, योजनाओं और नेतृत्व की नहीं, बल्कि पहचान, इतिहास और प्रभुत्व की राजनीति बन चुकी है। यही कारण है कि धार्मिक मंचों की आवाज़ें चुनावी मैदान की धड़कन बन रही हैं। बंगाल अपने निर्णायक मोड़ पर खड़ा है-जहाँ राम का दावा और राम की भूमि का संकल्प राजनीति, समाज और भविष्य तीनों को प्रभावित करने वाला तत्व बन चुका है।

न केवल मुस्लिम तुष्टिकरण बल्कि भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रक्रिया बन गयी है। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का या अब बाबरी मस्जिद का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को पश्चिम बंगाल में सेकेंड क्लास सिटिज़न एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टीकरण की उसकी सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलकती रही है। ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की है, तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। पश्चिम बंगाल में जो चल रहा है वह महज 'बागेश्वर बनाम बाबरी विवाद' नहीं है, यह सांस्कृतिक-धार्मिक पुनर्स्थापन की कोशिश बनाम राजनीतिक मुस्लिम केंद्रवाद की प्रतिस्पर्धा है। अभी के लिए, बंगाल की जमीन पर धर्म, राजनीति और पहचान का नया त्रिकोण उभर चुका है और वही आने वाले समय में बंगाल की राजनीतिक दिशा, सामाजिक संबंधों और सत्ता के समीकरणों को आकार देगा।

पेट के एसिड को कंट्रोल में रखते हैं ये आयुर्वेदिक इलाज

एसिडिटी होना आम समस्या है मगर बार-बार होने की वजह से इंसान परेशान हो जाता है। इससे परमानेंट छुटकारा पाने के लिए खाने में 6 चीजों को शामिल करना चाहिए। यह पेट के एसिड को कंट्रोल में रखती हैं।

सिर में एसिडिटी चढ़ने की समस्या

खाना पचाने के लिए पेट एसिड बनाता है। जब यह एसिड पेट से निकलकर खाने की नली में वापिस चढ़ता है तो उसे गैस्ट्रोइसोफेगियल रिफलक्स डिजीज कहते हैं। इसकी वजह से हाइपर एसिडिटी होती है और बार-बार एसिड सीने में चढ़ता है। सीने में जलन इसका सबसे आम लक्षण है। गट से दिमाग का रास्ता भी जाता है जिसकी वजह से एसिडिटी दिमाग पर चढ़ने लगती है और भयानक सिरदर्द होता है।

केला

केले को नेचुरल एंटासिड कहते हैं। इससे पेट का एसिड कम किया जा सकता है। जॉन हॉपकिन्स के मुताबिक इसकी तासीर अल्कलाइन होती है। इसमें मौजूद फाइबर और पोटैशियम पेट की गैस को कम करते हैं और पाचन को सुधारते हैं।

दही

दही में हेल्दी प्रोबायोटिक्स होते हैं। यह पेट और आंतों को हेल्दी बनाते हैं जिससे पाचन तंत्र स्वस्थ बनता हैं। यह फूड एसिडिटी को कंट्रोल करते हैं। दही पेट की जलन को कम करने में भी मददगार है।

ओटमील

ओटमील में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। हाइपर एसिडिटी कम करके डायजेशन बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है। यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है और एसिड रिफ्लक्स को रोकता है।

अदरक

अदरक भी एक नेचुरल एंटासिड है। इसमें इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह पेट के एसिड और सूजन को कम करने में सहायक है। इसका सेवन पूरे शरीर को फायदा पहुंचाता है।

तरबूज

तरबूज में पानी की मात्रा काफी होती है और यह पेट को ठंडक पहुंचाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्टमक एसिड को कंट्रोल करने में मदद करके डायजेशन भी सुधारते हैं।

सौंफ

खाना पचाने के लिए सौंफ बहुत कारगर है। सौंफ में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो एसिडिटी को कम करते हैं। इसे खाने के बाद चबाने से गैस की समस्या भी कम होती है।

कॉन्टैक्ट लेंस लगाने वाले इन बातों का रखें ख्याल

आंख भगवान का दिया एक खूबसूरत तोहफा है जिससे हम दुनिया देख सकते हैं, लेकिन आजकल आकर्षक दिखने के लिए लोग कलरफुल लेंस लगा रहे हैं। वहीं यह चश्मा का भी बेहतरीन विकल्प बन गया है। हालांकि कॉन्टैक्ट लेंस लगाना आपके लिए परेशानी की वजह भी बन सकता है। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन की आंखें कॉन्टैक्ट लेंस पहनने से खराब हो गई। कॉन्टैक्ट लेंस को ठीक से इस्तेमाल न करने से उनकी आंखों की कॉर्निया को क्षति पहुंची है,उन्हें दिखना बंद हो गया, और शदीद दर्द का सामना करना पड़ा। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं की कैसे कॉन्टैक्ट लेंस आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है।

कॉन्टैक्ट लेंस से आंखों को कैसे नुकसान होता है

एक्सपर्ट के मुताबिक आपके कॉर्निया को ऑक्सीजन की जरूरत होती है, ऐसे में अगर आप लंबे वक्त तक लेंस पहनते हैं तो इससे ऑक्सीजन की सप्लाई में रुकावट आ जाती है,और कॉर्नियल डैमेज की संभावना बढ़ जाती है। लेंस की स्वच्छता बनाए रखने में विफलता से कॉर्नियल क्षति हो सकती है। सूखी आंखें होने से कॉर्निया में जलन भी हो सकती है और कॉर्निया की सतह खरोंच सकती है, जिससे व्यक्ति को संक्रमण होने का खतरा हो सकता है। इसके अलावा, खराब फिटिंग वाले लेंस कॉर्निया को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं,जिससे खरोंच और संक्रमण हो सकता है जो दृष्टि को प्रभावित करता है। कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वाले क्या करें और क्या न करें -

क्या करें

- कॉन्टैक्ट लेंस स्टोरेज केस को हर तीन महीने में बदलें ।
- कॉन्टैक्ट लेंस को छूने से पहले अपने हाथों को अच्छी तरह धो लें।
- लेंस लगाने से पहले इसे सॉल्यूशन से अच्छी तरह से साफ करें।
- अगर लेंस गिर जाए तो उसे दोबारा लगाने से पहले साफ करें ।
- मेकअप करने से पहले लेंस पहनें।
- लेंस लगाने के बाद बार-बार आंखों को ना छुएं।
- 7 से 8 घंटे ही लेंस का इस्तेमाल करें

क्या न करें

- कॉन्टैक्ट लेंस को कभी भी टैप वाटर से न धोएं।
- अपना कॉन्टैक्ट लेंस शेयर न करें।
- कॉन्टैक्ट लेंस पहन कर कभी न सोएं।
- कॉन्टैक्ट लेंस पहन कर स्विमिंग न करें।
- अगर आपका लेंस सिर्फ 24 घंटे वाला है तो इसे दोबारा इस्तेमाल न करें।
- एक्सपायर्ड लेंस न लगाएं।
- बिना डॉक्टर की सलाह के खुद से लेंस न लें।
- रोजाना लेंस लगाने से बचें।

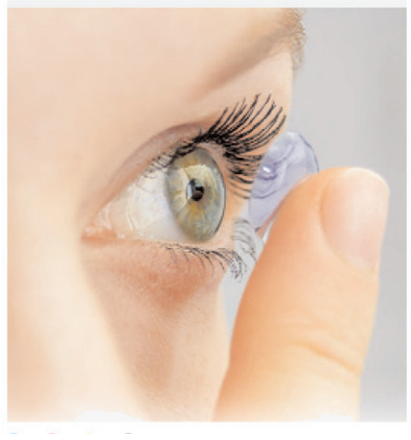

अगर आपको ज्यादा काटते हैं मच्छर तो हो सकते हैं ये साइंटिफिक कारण

कुछ लोग कहते हैं कि जिनका खून मीठा होता है, मच्छर उन्हें ज्यादा काटते हैं। कुछ कहते हैं जिन लोगों में से पसीने की बदबू आती है मच्छर उन्हें काटते हैं, लेकिन सच क्या है। आपको शायद पता न हो लेकिन इसके पीछे भी एक साइंटिफिक कारण होता है। इसमें एक बड़ा रोल आपके ब्लड टाइप का होता है। इसके अलावा आपके कपड़ों का रंग और बैक्टीरिया पर भी निर्भर करता है।

आप और आपका कोई दोस्त साथ में बैठे हैं और मच्छर बार-बार आपको ही काटे तो कितनी इरिटेशन होती है। आप गुस्से में कई बार कहते भी हैं अरे यार! ये मच्छर मुझे ही क्यों काट रहे हैं मगर क्या आपने कभी यह वाकई जानने की कोशिश की है। कुछ लोग कहते हैं कि जिनका खून मीठा होता है, मच्छर उन्हें ज्यादा काटते हैं। कुछ कहते हैं जिन लोगों में से पसीने की बदबू आती है मच्छर उन्हें काटते हैं, लेकिन सच क्या है आपको शायद पता न हो लेकिन इसके पीछे भी एक साइंटिफिक कारण होता है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि लगभग 20% लोग मच्छरों के प्रति इरेजिस्टिबल होते हैं। इसमें एक बड़ा रोल आपके ब्लड टाइप का होता है। इसके अलावा आपके कपड़ों का रंग और बैक्टीरिया पर भी निर्भर करता है। चलिए इस आर्टिकल में आपको वो कारण बताएं, जिनकी वजह से हो सकता है कि मच्छर आपको ज्यादा काट सकते हैं।

आपकी त्वचा में होने वाले बैक्टीरिया बनते हैं वजह

आपकी त्वचा में स्वाभाविक रूप से रहने वाले बैक्टीरिया आपके पसीने के कंपोनेंट्स को आपकी स्किन पर रिलीज करते हैं। इन कंपोनेंट्स में ऐसे बाय प्रोडक्ट होते हैं जो मच्छरों को आकर्षित करते हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि इसमें आपके पसीने से उत्पन्न होने वाली बदबू महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चूंकि हम सभी की त्वचा पर अलग-अलग प्रकार और बैक्टीरिया के मिश्रण होते हैं, इसलिए हमारे शरीर की गंध अलग-अलग होती है। हालांकि, एक अध्ययन से पता चला है कि आपकी त्वचा माइक्रोबायोटा के भीतर बैक्टीरिया की विविधता कम होने से आप मच्छरों के लिए अधिक आकर्षक हो सकते हैं, एक उच्च जीवाणु विविधता कम आकर्षक होती है।

ब्लड टाइप होता है बड़ा कारण

वयस्क मच्छर पोषण के लिए नेक्टर पर जीवित रहते हैं, लेकिन मादाएं अंडे के उत्पादन के लिए मानव रक्त में प्रोटीन पर निर्भर करती हैं। दिलचस्प बात यह है कि मच्छरों को कुछ रक्त प्रकार दूसरों की तुलना में अधिक पसंद आते हैं। एक शोध में पाया गया है कि अलग-अलग प्रजातियों में अलग-अलग प्रकार के रक्त के लिए प्राथमिकताएं होती हैं। उदाहरण के लिए, एडीज एल्बोपिक्टस मच्छर ह ब्लड ग्रुप के पक्ष में होते हैं, जबकि एनोफिलीज गाम्बिया टाइप AB ज्यादा पसंद करते हैं। इसके अलावा, लगभग 80% लोग एक स्राव उत्पन्न करते हैं जो संकेत देता है कि उनका क्या ब्लड ग्रुप है। ब्लड ग्रुप के अन्य प्रकार के बावजूद, मच्छर इन ब्लड ग्रुप के लोगों को दूसरों की तुलना में अधिक पसंद करते हैं।

कहां काटते हैं ज्यादा मच्छर

वैसे तो मच्छर शरीर के किसी भी हिस्से में काटते हैं। मच्छर खून के जरिए भोजन करने के लिए किसी भी त्वचा पर बैठते हैं, जहां उनकी पहुंच होती है। एक अध्ययन में पाया गया कि मच्छरों की दो प्रजातियां सिर और पैरों के आसपास काटना पसंद करती हैं। शोधकर्ताओं का मानना था कि इन क्षेत्रों में त्वचा के तापमान और पसीने की ग्रंथियों की संख्या ने इस वरीयता में भूमिका निभाई है। वहीं सांस की स्मेल और पैरों की गंध से भी मच्छर आपकी तरफ आकर्षित होते हैं।

मच्छरों के काटने से क्यों होती है इतनी खुजली

जब कोई मच्छर आपको काटता है, तो वह अपने मुंह के हिस्सों की नोक को आपकी त्वचा में डालता है और अपनी लार की थोड़ी मात्रा को आपके रक्त प्रवाह में इंजेक्ट करता है। यह आपके खून को बहने में मदद करता है क्योंकि मच्छर खिलाता है। आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मच्छर की लार में रसायनों के प्रति प्रतिक्रिया करती है, जिससे एक प्रतिक्रिया होती है जिसमें त्वचा में रेडनेस, सूजन और खुजली शामिल हो सकती है।

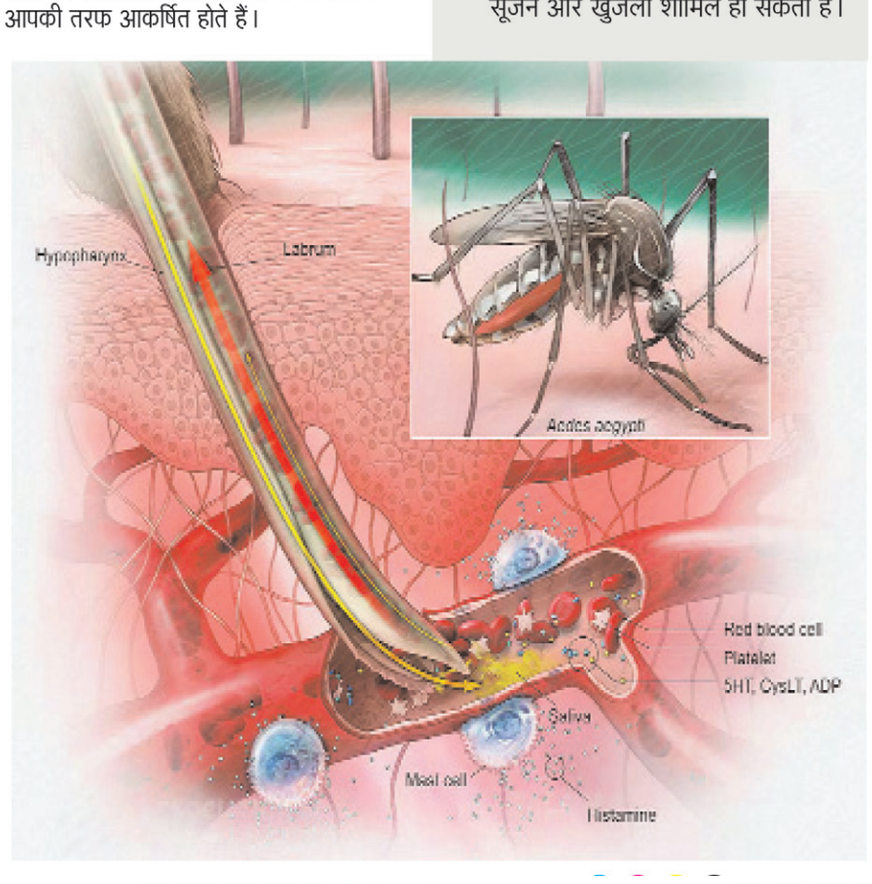

इन होम रेमिडीज से मिलेगी मच्छर के काटने पर खुजली से फौरन राहत

आपने शायद नोटिस किया होगा कि मच्छर के काटने के बाद स्किन का वह हिस्सा लाल निशान हो जाता है जिसमें बहुत खुजली होती है। कभी-कभी तो खुजली इतनी ज्यादा होती है कि खुजाते-खुजाते स्किन कट जाती है और उसमें से ब्लड आने लगता है। अगर आपको भी मच्छरों के काटने के बाद इतनी भयंकर खुजली होती है तो परेशान ना हो क्योंकि हम आपके लिए कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खे लेकर आये हैं जिनकी हेल्प से आप मच्छर के काटने से होने वाली जलन से राहत पा सकती हैं।

बर्फ दिलाये आराम

बर्फ से मच्छर के काटे स्थान पर किसी प्रकार की सूजन और खुजली नहीं होती। इसलिए मच्छर के काटे गए स्थान पर तुरंत फ्रिज से बर्फ निकालें और उस स्थान पर रगड़ें। अगर बॉडी पर मच्छरों के काटने के निशान बहुत ज्यादा हों तो ठंडे पानी से नहाएं।

डंक के लिए नमक

अगर आप जलन व खुजली से तुरंत आराम चाहती हैं तो काटे गए स्थान को पानी से भिगो लें और उस पर हल्के हाथ से नमक रगड़ें। इससे आपको जल्द ही राहत मिलेगी। साथ ही लाल निशान की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि नमक वाले पानी से कीड़ों के डंक या जहर का असर खत्म हो जाता है जिससे काफी राहत मिलती है।

नीम का तेल

नीम के तेल में औषधीय गुण होते हैं। जी हां नीम में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण किसी भी प्रकार के इंफेक्शन को फैलने से रोकता है। अमेरिका की नेशनल रिसर्च काउंसिल द्वारा किए गए शोध में भी यह बात सामने आ चुकी है कि नीम का तेल किसी भी रिपेलेंट से अधिक प्रभावी है। इतना ही नहीं, इसका पौधा लगाने से भी मच्छर घर में कम आते हैं।

नींबू का रस

हम जानते हैं कि नींबू में एंटीबैक्टीरियल और एंटीमाइक्रोबियल गुण पाये जाते हैं। प्रभावित जगह पर नींबू का ताजा रस लगाने से खुजली कम होती है और इंफेक्शन भी नहीं होता है। नींबू का रस लगाने के बाद कुछ देर तक बाहर नहीं जाना चाहिए, क्योंकि सूरज की रोशनी के कारण फुंसियां हो सकती है।

एल्कोहल

मच्छर के काटने पर होने वाले लाल निशान पर एल्कोहल का प्रयोग करना फायदेमंद होता है। मच्छर काटने वाली जगह पर कॉटन से थोड़ा सा एल्कोहल लगा कर रगड़े या एल्कहोल वाइप से काटे गए स्थान को अच्छी तरह साफ करें। इससे खुजली से काफी राहत पहुंचेगी। अगर एल्कोहल नहीं है तो साधारण साबुन और पानी से उस हिस्से को साफ कर लें।

सेब का सिरका

नहाने के दौरान पानी में सेब का सिरका मिला लें। यह ना सिर्फ लाल निशान को जल्द गायब करता है, बल्कि इसमें पाए जाने वाले मॉलिक एसिड से खुजली व जलन में भी आराम मिलता है। अगर आप नहा नहीं सकती है तो कॉटन की मदद से सेब का सिरका प्रभावित जगह पर सीधे भी लगा सकती हैं।

बेकिंग सोडा और पानी

बेकिंग सोडा में थोड़ा सा पानी मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और प्रभावित क्षेत्र स्थान पर 15 मिनट तक लगाएं। बेकिंग सोडा में एक एल्कलाइन तत्व पाये जाते है, जो त्वचा के पीएच को निष्प्रभावित करने में मदद करते है।

एलोवेरा जैल

ताजा ऐलोवेरा जैल को प्रभावित स्थान पर लगाएं। यह जेल ठंडक प्रदान करता है जिससे जलन व खुजलाहट से आराम मिलता है। अगर काटने के स्थान से खुजाने के बाद ब्लड निकल रहा हो तो यह उसे भी ठीक कर देता है। ऐसा इसलिए क्योंकि एलोवेरा जैल में त्वचा से संबंधित रोगों को दूर करने तथा इंफेक्शन जैसे तत्वों से लड़ने के गुण पाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले को मिली अभूतपूर्व सौगातें

जशपुर में विकास की नई पहचान

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बीते दो वर्ष जशपुर जिले के लिए विकास के स्वर्णिम अध्याय साबित हुए हैं। 13 दिसंबर को उनके कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, और इस अवधि में जशपुर जिले ने वह प्रगति हासिल की है, जिसने न सिर्फ जिले की दिशा बदली, बल्कि विकास की नई परिभाषा भी गढ़ी। राज्य की जनता से किए वायदों को पूरा करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन श्री साय ने दृढ़ इच्छाशक्ति, पारदर्शी प्रशासन और संवेदनशील नेतृत्व के बल पर इन चुनौतियों को विकास के अवसर में बदल दिया।

गरीबों को मिली जीवनभर की सुरक्षा पक्का मकान बना खुशियों की बुनियाद- मुख्यमंत्री बनने के साथ ही श्री साय की पहली बड़ी प्राथमिकता थी—हर गरीब को पक्का घर। कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख गरीब परिवारों को घर देने के वादे को स्वीकृति मिली।

जशपुर जिले में 52,760 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुए, जिससे हजारों परिवारों का वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ। आज ये परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए प्रदान करने की घोषणा को श्री साय ने पूरे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया।

जशपुर जिले में 2 लाख से अधिक महिलाओं को 448 करोड़ 97 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। यह राशि महिलाओं के जीवन में वास्तविक सशक्तिकरण का आधार बनी हैङ्कचाहे वह बचत हो, छोटे व्यवसाय हों या परिवार की ज़रूरतें।

पिछली सरकार के बकाया दो साल के धान बोनस का भुगतान कर मुख्यमंत्री ने किसानों का भरोसा और मजबूत किया। जिले के 50 हजार से अधिक किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की गई। इसके साथ ही

1,23,168 किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि में 308 करोड़ 30 लाख 76 हजार रुपए दिए गए। इन कदमों ने कृषि को स्थिरता, किसानों को सुरक्षा और खेती को निरंतरता प्रदान की।

जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए नए अत्याधुनिक चिकित्सालय भवन को मंजूरी मिली है।

इससे मरीजों को बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता कम होगी। प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को नए उपकरण, डॉक्टर, नर्स और संसाधन उपलब्ध कराए गए। साथ ही जिले में अतिरिक्त 108 संजीवनी एक्सप्रेस व शव वाहन की व्यवस्था से आपातकालीन सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार आया है।

जिले में सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों के लिए करोड़ों रुपए मंजूर हुए। पहले दुर्गम माने जाने वाले क्षेत्रों में भी पक्की सड़कें पहुंचीं, जिससे व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक पहुंच आसान हुई। स्थानीय लोगों के लिए आवागमन आज पहले से कहीं अधिक सुगम है। जिले में अनेक नए विद्युत उपकेंद्रों की स्वीकृति से बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में बड़ा सुधार हुआ है। लो-वोल्टेज की समस्या में कमी आई है और गांवों में ट्रांसफार्मर व लाइन सुधार कार्य गति से जारी हैं। बेहतर बिजली ने उद्योग, शिक्षा और घरेलू जिंदगी को नई ऊर्जा दी है। जशपुर को शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ी सौगातें मिली हैं। जिले में दो नए महाविद्यालयों की स्वीकृति से छात्रों को अब उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

छत्तीसगढ़ बना भारत का ग्रोथ इंजन

रायपुर। विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य अनुरूप छत्तीसगढ़ में न केवल तेजी से अधोसंरचनाएं विकसित हो रही है, बल्कि सस्टेनबल डेवलपमेंट गोल के लक्ष्य को भी हासिल किया जा रहा है। विगत दो वर्षों में छत्तीसगढ़ भारत के विकास इंजन के रूप में भी तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति में डिफेंस, आईटी, एआई, ग्रीन एनर्जी जैसे नए क्षेत्रों को विशेष पैकेज दिया जा रहा है। राज्य में अब तक 7.69 लाख रूपए के निवेश के प्रस्ताव मिल चुके हैं। राज्य में विकास, विश्वास और सुरक्षा का नया वातावरण बना है। राज्य की प्रगति में माओवाद आतंक हमेशा से ही बाधक रही है। अब यह बाधा दूर होने जा रही है। माओवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक सुदृढ़ एवं परिणाम आधारित बनाने के लिए सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। शासन व्यवस्था में अनुशासन और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु 01 दिसम्बर 2025 से मंत्रालय महानदी भवन में अधिकारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू कर दी गई है, जिससे कार्य संस्कृति और जवाबदेही को नई पहचान मिल रही है। प्रदेश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण जुड़ा है नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ के नए भव्य विधानसभा भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। यह विधानसभा भवन नई ऊर्जा, नई सोच और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प का प्रतीक है। पिछले 2 वर्षों में बस्तर और सरगुजा

अंचल के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए वहां सड़क, रेल, स्वास्थ्य और संचार सहित कई नई परियोजनाएं भी शुरू की गई। नई औद्योगिक नीति में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। बस्तर में पर्यटन सुविधाओं को बढ़ाने का प्रयास किए जा रह हैं। इसके लिए नई होम स्टे पॉलिसी और इको टूरिज्म के लिए विशेष प्रावधान रखे है। बस्तर और सरगुजा अंचल में उद्योगों की स्थापना पर विशेष सुविधाएं, छूट और रियायतें दी जा रही है। इसके अलावा उद्योगों को विशेष पैकेज के अंतर्गत सस्ती जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत माओवाद आतंक से प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित 69 सुरक्षा कैम्पों के माध्यम से मूलभूत सुविधाओं के साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। बस्तर की बदलती फिज़ा को सबके सामने लाने में बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे बड़े आयोजनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बस्तर के युवा अब विकास से जुड़ना चाहते है, इसकी बानगी यहां चलाए जा रहे हैं। स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों में देखी जा सकती है। बस्तर की युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए और उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए पर्यटन ऑटोमोबाईल, पायलट, आईटी आदि क्षेत्रों में स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आईआईएसडी स्वनिति इनिशिएटिव की 'मैपिंग इंडियाज स्टेट लेवल एनर्जी ट्रांज़िशन: छत्तीसगढ़' रिपोर्ट का किया विमोचन

कोयला क्षेत्रों में 'जस्ट ट्रांज़िशन' पर विस्तृत चर्चा, राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार के लिए ठोस कदमों पर बल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में अंतरराष्ट्रीय संस्था इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट (IISD) और स्वनिति इनिशिएटिव के शोधकर्ताओं ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनकी विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट मैपिंग इंडियाज स्टेट लेवल एनर्जी ट्रांज़िशन: छत्तीसगढ़ का विमोचन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोधकर्ताओं के साथ राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा के प्रसार, ऊर्जा सुरक्षा, और सतत विकास की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की रणनीतियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन

और ऊर्जा दक्षता संबंधी नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। शोधकर्ताओं ने मुख्यमंत्री श्री साय को भारत के 52 कोयला उत्पादक जिलों की 'एनर्जी ट्रांज़िशन वल्नरेबिलिटी' पर आधारित एक व्यापक इंडेक्स प्रस्तुत किया, जिसमें यह दर्शाया गया कि पारंपरिक कोयला आधारित क्षेत्रों में 'जस्ट ट्रांज़िशन'—अर्थात् आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से न्यायपूर्ण बदलाव—कितना आवश्यक है। शोधकर्ताओं ने बताया कि यह इंडेक्स पुराने कोयला क्षेत्रों में भविष्य की चुनौतियों, रोजगार संरचना, और वैकल्पिक आजीविका के अवसरों का महत्वपूर्ण संकेतक है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव से मिलीं अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज मैरी कॉम

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव से छह बार की बॉक्सिंग विश्व चैंपियन एवं ओलंपिक पदक विजेता, प्रसिद्ध मुक्केबाज एम.सी. मैरी कॉम ने सौजन्य मुलाकात की। श्री साव ने अपने नवा रायपुर स्थित शासकीय निवास कार्यालय में मुलाकात के दौरान उन्हें राज्य में खेलों के विकास और खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज मैरी कॉम जगदलपुर में आयोजित बस्तर ओलंपिक-2025 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं के शुभारंभ समारोह में शामिल होने छत्तीसगढ़ आई थीं। उन्होंने 11 दिसम्बर को इसमें शामिल होकर खिलाड़ियों की हौसला अफज़ाई की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अभावों और मुश्किलों के बीच अपनी प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प से विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों में भारत का नाम रोशन करने वाली मैरी कॉम की लंबी

खेल यात्रा की प्रशंसा की। श्री साव ने कहा कि मैरी कॉम देश का गौरव और प्रेरणा हैं। उनकी उपस्थिति से बस्तर के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और मेहनत करने की प्रेरणा जरूर मिली होगी। उन्होंने बस्तर ओलंपिक में शामिल होने छत्तीसगढ़ आने के लिए मैरी कॉम को धन्यवाद दिया। मैरी कॉम ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अपने अनुभव साझा करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव से छत्तीसगढ़ के युवाओं के खेल में सुधार के लिए हरसंभव मदद की बात कही। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि दूरस्थ गांवों से पहुंचे युवाओं को देख उनकी पुरानी यादें ताजा हो गईं। बस्तर ओलंपिक वहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मंच है। उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए अच्छा काम कर रही है। आने वाले समय में यहां के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मेडल जरूर जीतेंगे।

परीक्षा तैयारी पर दिए महत्वपूर्ण टिप्स कक्षा 10 वीं-12 वीं के विद्यार्थियों से किया संवाद

तनाव मुक्त होकर स्वस्थ मन से पढ़ाई करें - वित्तमंत्री ओ.पी.चौधरी

रायपुर। रायगढ़ विधायक एवं वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी तनाव मुक्त होकर स्वस्थ मन से पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा कभी भी जीवन से बड़ी नहीं होती, इसलिए घबराएं नहीं, बल्कि सही समय पर मेहनत शुरू करें। वित्त मंत्री ने रायगढ जिले के पुसौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झलमला स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10 वीं और 12 वीं के बच्चों से चर्चा 2025 कार्यक्रम में संवाद कर रहे थे। इस अवसर पर श्री चौधरी ने विद्यालय में अत्याधुनिक स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन कर विद्यार्थियों को तकनीकी व नवीन शिक्षण संसाधनों का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि दिसंबर से परीक्षा तक के आगामी तीन महीने सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि नियमित रूप से प्रतिदिन 7 से 8 घंटे पढ़ाई करें और छुट्टी के दिनों में 10 घंटे अध्ययन का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि एक भी दिन

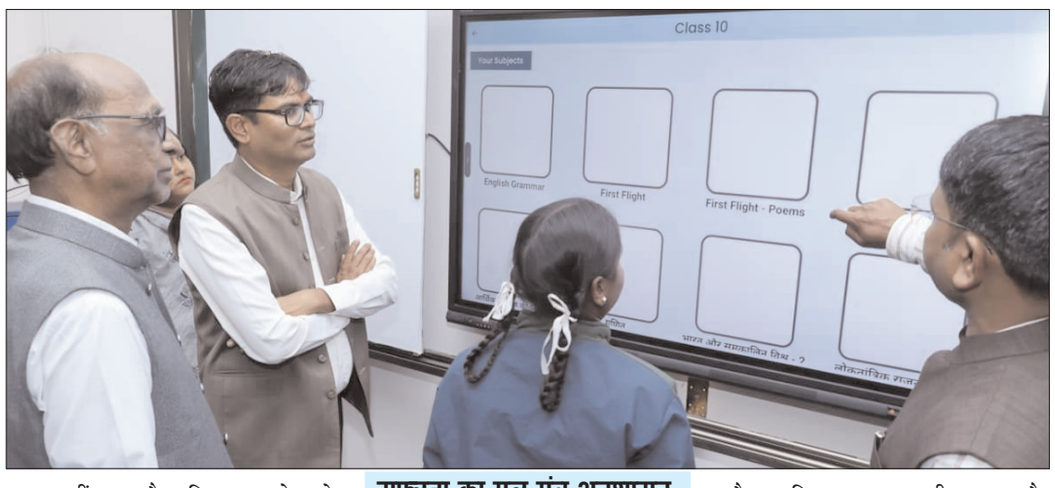

खराब नहीं करना है। यदि आप आने वाले तीन महीनों तक ईमानदारी और संकल्प के साथ पढ़ाई करेंगे तो बेहतर तैयारी और उत्कृष्ट परिणाम निश्चित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी।

सफलता का मूल मंत्र अनुशासन, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे प्रतिभा से भरपूर होते हैं। उन्हें केवल बेहतर मार्गदर्शन, संसाधन और सुरक्षित वातावरण की जरूरत है। उन्होंने शिक्षकों व अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की रुचि और क्षमता के अनुसार अवसर प्रदान करें। वित्त मंत्री ने सफलता के लिए अनुशासन, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच को मूल मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

मेधावी छात्रों को एक लाख का पुरस्कार

वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य की मेरिट सूची में यदि जिले का कोई विद्यार्थी स्थान प्राप्त करता है, तो उसे एक लाख रुपए पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होनं कहा कि आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और बेहतर भविष्य देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री विजय अग्रवाल, श्री उमेश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य बृजेश गुप्ता, जनपद अध्यक्ष पुसौर श्रीमती हेमलता चौहान, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती भाग्यवती नायक, सीईओ जिला पंचायत श्री अभिजीत बबन पठारे, एसडीएम रायगढ़ श्री महेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, छात्र एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स ने एक्सकॉन 2025 में प्रस्तुत किए नवाचार आधारित, टिकाऊ और बुद्धिमान मोबिलिटी समाधान

बेंगलुरु: भारत की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने दक्षिण एशिया के प्रमुख निर्माण उपकरण प्रदर्शनी एक्सकॉन 2025 में उन्नत और भविष्य की मांगों के अनुरूप विकसित समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की। इस वर्ष की थीम 'प्रोडक्टिविटी अनलीश्ड' के अनुरूप प्रदर्शित यह पोर्टफोलियो निर्माण और खनन गतिविधियों में तेजी के साथ बढ़ रही व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है ताकि परिचालन दक्षता और फ्लीट संचालन की लाभप्रदता को और बेहतर बनाया जा सके।

प्रदर्शनी में प्रस्तुत प्रमुख आकर्षणों में प्राइमा 3540.K ऑटोशिफ्ट शामिल है, जो टाटा मोटर्स का अब तक का सबसे शक्तिशाली टिपर है और डीप माइनिंग जैसी अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए डिजाइन किया गया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपना पहला पूर्ण-इलेक्ट्रिक टिपर प्राइमा E.28K तथा देश का पहला फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी टिपर सिग्ना 2820.TK CNG भी पेश किया। इन मॉडलों के साथ कंपनी ने औद्योगिक इंजन, एक्सल और जेनसेट जैसे उन्नत एग्रीगेट्स भी प्रदर्शित किए जो टाटा मोटर्स की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, स्थिरता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हैं।

इन वाहनों के लॉन्च के अवसर पर, श्री राजेश कौल, वाइस प्रेसिडेंट एवं बिज़नेस हेड – ट्रक्स, टाटा मोटर्स लिमिटेड ने कहा कि एक्सकॉन टाटा मोटर्स के लिए लगातार एक महत्वपूर्ण मंच रहा है क्योंकि यहां कंपनी न सिर्फ तकनीकी प्रगति बल्कि ग्राहक आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान भी प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि देश में तेजी से हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के दौरान ग्राहक अधिक विश्वसनीय, उत्पादक और परिचालन लागत को कम करने वाले वाहनों की तलाश में हैं। ऐसे समय में प्राइमा 3540.K का लॉन्च टाटा मोटर्स की डीप माइनिंग सेगमेंट में मजबूत उपस्थिति का संकेत देता है और यह वाहन विशेष रूप से कठिनतम परिस्थितियों में भी भरोसेमंद प्रदर्शन देने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी टिकाऊ मोबिलिटी को लेकर भी निरंतर प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य के तहत प्राइमा E.28K इलेक्ट्रिक टिपर पेश किया गया है, जो शून्य उत्सर्जन के साथ उच्च प्रदर्शन और उत्पादकता सुनिश्चित करता है।

सॉल्व फॉर टुमारो 2025 : ज्यादा सुरक्षित, स्मार्ट ओर समावेशी भारत के लिए युवा भारत कैसे कर रहा है एआई का इस्तेमाल

नईदिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब भारत के डिजिटल परिवर्तन का अहम बिंदु बन चुकी है - यह सुरक्षा, पहुंच और रोजमर्रा के सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। इसी बदलाव को देखते हुए, सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो 2025, आईआईटी दिल्ली के सहयोग में देश भर के हजारों छात्रों को एक मंच पर लेकर आया, ताकि वे थीम सुरक्षित, स्मार्ट ओर समावेशी भारत के लिए एआई के तहत वास्तविक दुनिया की एआई समस्याओं के समाधान डिज़ाइन कर सकें।

इस वर्ष की थीम सुरक्षित, स्मार्ट ओर समावेशी भारत के लिए एआई के प्रमुख आकर्षण इस प्रकार हैं।

1. सामाजिक प्रभाव पर केंद्रित थीम- एआई थीम ने छात्रों को ऐसी तकनीक डिज़ाइन करने के लिए प्रेरित किया जो सार्वजनिक स्थानों में सुरक्षा बढ़ाए, नेत्रहीनों के लिए पहुंच सुधारें और वास्तविक समय में आपातकालीन प्रतिक्रिया में मदद करे।

2. इनोवेटर्स एवं उनकी महत्वपूर्ण खोजें- चक्रव्यूह, एरर 404, पैशनेट प्रॉब्लम सॉल्वर, पर्सीविया और सिकारियो जैसी टीमों ने महिलाओं के सेफ्टी ऐप से लेकर एआई-संचालित निगरानी नेटवर्क, स्मार्ट एनर्जी मीटर और नेत्रहीनों के लिए वियरेबल नेविगेशन डिवाइस तक कई समाधान पेश किए।

0 चक्रव्यूह (उत्तर प्रदेश): सीमा पर घुसपैठ की गतिविधियों पर अलर्ट भेजने वाला ड्रोन-इनेबल्ड एआई

0 मॉनिटरिंग सिस्टम- एरर 404 (उत्तर प्रदेश): महिलाओं के लिए एआई-संचालित सेफ्टी ऐप जिसमें रियल-टाइम फॉल डिटेक्शन और इमरजेंसी रिस्पॉन्स है

0 पैशनेट प्रॉब्लम सॉल्वर (दिल्ली): एआई-आधारित एन्क्रिप्शन और प्रेडिक्टिव अलर्ट वाला विकेंद्रीकृत स्मार्ट एनर्जी मीटर सिस्टम

0 सिकारियो (दिल्ली): नेत्रहीनों के लिए रियल-टाइम फेस रिकग्निशन और ऑफ्लाइन नेविगेशन सपोर्ट देने वाले एआई ग्लासेस

3. थीम विजेता: पर्सीविया- इस थीम के टॉप विजेता—बेंगलुरु के छात्र तुषार शॉ के नेतृत्व वाली टीम पर्सीविया ने एआई-पावर्ड ग्लासेस बनाए जो वस्तु को पहचानने और लोकेशन-आधारित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

बस्तर ओलंपिक 2025 में दंतेवाड़ा की ऐतिहासिक सफलता, एथलेटिक्स में जीते 4 गोल्ड

रायपुर। बस्तर संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 में दंतेवाड़ा जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई विधाओं में पदक अपने नाम किए। एथलेटिक्स 400 मीटर दौड़ में दंतेवाड़ा की प्रतिभावान धाविका रानू भोगामी ने अथक मेहनत और उत्कृष्ट तकनीक के बल पर स्वर्ण पदक (प्रथम स्थान) हासिल किया। रानू भोगामी एकलव्य खेल परिसर, जावंगा (गीदम) की प्रशिक्षित एथलीट हैं, जिन्होंने पूरे मुकाबले में बेहतरीन गति और संयम का परिचय दिया।

370 खिलाड़ियों ने दंतेवाड़ा जिला का किया प्रतिनिधित्व- इस बार दंतेवाड़ा जिले से कुल 370 प्रतिभागियों ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जिनमें 184 महिला एवं 186 पुरुष खिलाड़ी शामिल रहे। खिलाड़ियों की यह बड़ी सहभागिता जिले में खेल भावना और खेल संरचना की मजबूती को दर्शाती है।

विभिन्न खेल विधाओं में दंतेवाड़ा का शानदार प्रदर्शन- खिलाड़ियों ने अनेक खेलों में उल्लेखनीय सफलता अर्जित किए जिसमें रस्साकसी में दंतेवाड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला सीनियर वर्ग में दंतेवाड़ा ने वॉलीबॉल में प्रथम स्थान, कबड्डी में द्वितीय स्थान, जूनियर महिला हॉकी में तृतीय स्थान हासिल किया। बैडमिंटन में जूनियर महिला डबल में प्रथम स्थान, जूनियर पुरुष एकल में द्वितीय स्थान, सीनियर पुरुष एकल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एथलेटिक्स फेंक प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा के पांडु राम ने भाला फेंक में प्रथम स्थान एवं अनुसूर्या ने फेंक स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन उपलब्धियों से स्पष्ट होता है कि दंतेवाड़ा जिले के युवा विभिन्न खेल विधाओं में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखते हैं। जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा प्रशिक्षकों ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई दी है और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ की हैं। बस्तर ओलंपिक का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और खेल के माध्यम से युवाओं के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना है, जिसमें दंतेवाड़ा जिला निरंतर अग्रसर है।

खबर-खास

बसना शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण

बसना(समय दर्शन)। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे, विकास खण्ड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव द्वारा संकुल केन्द्र बड़ेटेमरी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला भठोरी, छिर्राचुआ, खवासपाली, बड़ेटेमरी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला,हाईस्कूल बड़ेटेमरी का औचक निरीक्षण किया गया।

अधिकारीद्वय द्वारा अपार आईडी बनाने, जाति प्रमाण पत्र बनाने, नवोदय चयन परीक्षा में छात्रों को बिठाने,ष्ट्व 1ह्यद्ग एप में शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति, विद्यार्थी विकास सूचकांक,शिक्षक डायरी, मुस्कान पुस्तकालय,गणित कार्नर,विज्ञान कार्नर एवं लर्निंग कार्नर,परीक्षा पे चर्चा 2025, जादुई पिटारा,राज्य छात्रवृत्ति, मध्यान्ह भोजन आदि विषयों पर विस्तृत रूप से दिशा निर्देश देते हुए शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए, साथ ही समय सारणी अनुसार विद्यालय संचालन करने कहा गया,अन्यथा कड़ी कार्यवाही करने की बात कही गई।

अधिकारियों के पूरे निरीक्षण के दौरान एफएलएन डीआरजी बसना शरण कुमार दास , संकुल समन्वयक वारिश कुमार उपस्थित रहे और सभी निर्देशों का पूर्ण पालन संकुल में करवाने की बात कही गई।

शीतलहर से बचाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देश के परिपालन में कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी के अंतर्गत, दुर्ग जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त और बी.एस.पी. के प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रमुखों तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों (दुर्ग/धमधा/पाटन) को शीतलहर से बचाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त आदेश राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी आवश्यक निर्देशों को ध्यान में रखते हुए दिए गए हैं। संस्था प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने कहा गया है कि शीतलहर से प्रभावित होने पर प्राथमिक उपचार के लिए पर्याप्त संख्या में प्राथमिक उपचार बॉक्स उपलब्ध हों, अस्पतालों और आपातकालीन सेवा प्रदाताओं के संपर्क नंबर विद्यालय में रखे जाएं, तथा गंभीर रूप से प्रभावित विद्यार्थियों को अस्पताल पहुंचाने हेतु वाहन और जिम्मेदार शिक्षक का नाम चिन्हांकित किया जाए। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक संस्थाओं को ''शीत लहर से बचाव'' संबंधी आवश्यक निर्देश/सुझाव के बैनर लगाने और शिक्षकगणों को कक्षाओं में विद्यार्थियों को शीतलहर (शीतघात) से बचने हेतु नियमित एवं आवश्यक जानकारी प्रदान करने कहा गया है।

धान की प्राप्त राशि से किसान बिहारी राम करेंगे बेटियों की शादी

दुर्ग (समय दर्शन)। जेवरा सिरसा उपार्जन केन्द्र में किसानों के धान की निरंतर खरीदी और उठाव किया जा रहा है। 2 दिसम्बर से अब तक 10 हजार क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका है। सभी प्रकार के धान का उठाव हो रहा है, जिससे किसान संतुष्ट हैं। किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीद की जा रही है।

इसी कड़ी में सिरसा खुर्द गांव के बिहारी राम साहू, उम्र 53 वर्ष, अपनी 125 कट्टा मोटा धान लेकर पहुंचे। जहां बारदाने भरने, तौलने, सिलाई करने और धान को उसकी क्वालिटी के अनुसार स्टैक में व्यवस्थित रखने के लिए समिति के कर्मचारी लगातार सक्रिय थे। किसान श्री साहू के धान की तौलाई का कार्य जारी था। किसान के चेहरे पर चमक थी, क्योंकि आज सिर्फ धान बेचने का ही दिन नहीं था, बल्कि उनके सपनों के करीब पहुंचने का भी दिन था। इस साल उन्होंने सवा दो एकड़ जमीन में धान लगाया था। इस बार सबसे खास बात थी ऑनलाइन टोकन। उनकी पढ़ी-लिखी बेटियों ने मोबाइल ऐप से पहला टोकन प्राप्त हुआ। बिहारी राम ने बताया कि वह तो मोबाइल ठीक से चला नहीं पाते, पर बेटियों ने कहा अब सब ऑनलाइन होता है और देखो आज मैं टोकन लेकर यहां खड़ा हूँ। श्री साहू ने कहा कि खेती ही सहारा है हमारा। पूरे परिवार की उम्मीद इन्हीं बोरी में भरी पड़ी होती है। सालभर इंतजार करते हैं कि धान बिके और घर की जरूरतें पूरी हों।

// न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सरायपाली जिला-महासमुन्द//
//ईश्तहार//

क्रमांक /2421/ क/ भू.व्यप / अविअ/ 2025
सरायपाली, दिनांक 12.12.25

आवेदिका ज्योत्सना जौ. नरेन्द्र निवासी ग्राम सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा भुमिस्वामी ग्राम सरायपाली प.ह.नं. 14 में स्थित भूमि खसरा नंबर 255/5 रकबा 0.0280 हे.भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु बी-1, नक्शा एवं खसरा के बैनामा के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा आवेदित उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक 19.12.2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी(रा.)
सरायपाली

आयुक्त ने उद्यानों, वाटर एटीएम एवं साफ-सफाई का किया निरीक्षण

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-5 अंतर्गत उद्यान, वाटर एटीएम, पेवर ब्लाक सहित डोम शेड का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा सेक्टर 04 सड़क 36 स्थित उद्यान एवं मा कर्मा उद्यान का निरीक्षण किया गया। उद्यानों की साफ-सफाई व्यवस्थित पाया गया एवं आवश्यक संधारण संबंधी कार्य हेतु उप अभियंता शंकर सुमन मरकार को निर्देशित किये है। असमाजिक तत्वों द्वारा उद्यान के गेट की चोरी कर लिया गया है। संबंधित के खिलाफथाने में प्राथमिकी सूचना दर्ज कराने जोन आयुक्त एवं उपस्थित अभियंताओं को निर्देशित किये है। सड़क 26 स्थित उद्यान में असमाजिक तत्वों द्वारा रात्रि में आकर नशा किया जाता है, स्थानीय निवासियों द्वारा आयुक्त को समस्या से अवगत कराया गया। निगम आयुक्त द्वारा आगामी समय में सार्वजनिक स्थलों एवं उद्यानों में नशा करते पाये जाने पर अज्ञात के खिलाफ कार्यवाही करने पुलिस हेल्प लाईन नंबर 100 या 112 पर शिकायत दर्ज करा सकते है। सेक्टर 4 के सड़क किनारे स्थानीय नागरिक द्वारा कचरा जलाया जा रहा था, जिसे तत्काल बुझाने कहा गया और समझाइस दिया गया है। आयुक्त द्वारा शहर में कचरा जलाने एवं फैलाने वाले के खिलाफ बड़ी चालानी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है।

आयुक्त द्वारा एस.एन.जी. स्कूल के पास विधायक निधि मद अंतर्गत 4 लाख की लागत राशि से वाटर एटीएम लगाया गया है, जिसका अवलोकन किये। वाटर एटीएम वर्तमान में बंद पाया गया, जिसे चालू कराने निर्देशित किया गया।

नगर निगम दुर्ग ने लॉन्च किया 'कर्तव्य' ऐप, कर्मचारियों की उपस्थिति अब ऑनलाइन

महापौर,आयुक्त,सभापति ने किया 'कर्तव्य' मोबाइल ऐप का शुभारंभ

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यकुशलता और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ऑनलाइन मोबाइल ऐप 'कर्तव्य' का शुभारंभ किया गया। महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल तथा सभापति श्याम शर्मा ने एमआईसी सदस्यों और पार्षदों की उपस्थिति में इस ऐप का औपचारिक लॉचिंग किया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्लेसमेंट, एमसीसी और फील्ड वर्कर कर्मचारियों को दिन में तीन निर्धारित समय सुबह 6 से 6:30 बजे, 10 से 10:30 बजे और दोपहर 1:45 से 2:15 बजे के बीच उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा।

इस व्यवस्था से फील्ड कर्मचारियों की गतिविधियों पर बेहतर निगरानी हो सकेगी और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी।

नगर निगम के लगभग 1800 कर्मचारियों का पंजीयन इस ऐप में किया जा चुका है। कर्तव्य ऐप के माध्यम से पेरोल विवरण, उपस्थिति रिकॉर्ड, अवकाश आवेदन सहित अनेक सुविधाएँ अब ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। इससे कर्मचारियों का समय बचेगा और कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि 'कर्तव्य' ऐप निगम प्रशासन के डिजिटलीकरण की दिशा में बड़ा कदम है। इससे फील्ड कार्यों पर बेहतर नियंत्रण और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि डिजिटल प्रणाली अपनाने से कर्मचारी व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी। समय प्रबंधन, उपस्थिति और कार्यक्षमता पर ऐप का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। लॉन्चिंग कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पार्षद सरिता चंद्राकर, ललिता ठाकुर, नीरा खिचरिया, मनीषा सोनी, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की व्यापक समीक्षा

जिला स्वास्थ्य समिति की शासी एवं कार्यकारी समिति समीक्षा बैठक: हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी और टीकाकरण पर विशेष जोर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की शासी एवं कार्यकारी समिति की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं, टीकाकरण कार्यक्रम, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, कुपोषण उन्मूलन, स्वास्थ्य संस्थाओं की उपलब्धियों एवं चुनौतियों तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर श्री महोबे ने सभी जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं सतत सुधार विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता हो। कलेक्टर ने बैठक में मातृत्व स्वास्थ्य को लेकर विशेष समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गर्भवती महिलाओं का नियमित जांच सुनिश्चित किया जाए। हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी वाले मामलों की लगातार निगरानी की जाए। संस्थागत प्रसव सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृत्व मृत्यु दर में कमी लाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। कलेक्टर ने कहा प्रत्येक बच्चे को समय पर टीका लगाये जाए।

साथ ही टीकाकरण सत्रों की सतत निगरानी, अपूर्ण टीकाकरण वाले बच्चों की पहचान, ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान को मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक में चिरायु टीम द्वारा की जा रही स्वास्थ्य स्क्रीनिंग का विस्तृत मूल्यांकन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने कहा कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान को जिले में व्यापक रूप से लागू किया जाए। दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जाएं। मोबाइल मेडिकल यूनिट की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम अंतर्गत बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, ऑनलाइन एंट्री की समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड, वय वंदना योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि शिविर लगाकर पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड, वय वंदना कार्ड बनाए जाएं। उपचार हेतु आने वाले प्रत्येक मरीज का आभा कार्ड अनिवार्य रूप से तैयार किया जाए। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्रों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, फाइलेरिया एवं डेंगू मरीजों, सघन कुष्ठ खोज अभियान के माध्यम से मरीजों का काउंसिलिंग करने और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

नई चेतना 4.0 के तहत मदनपुर क्लस्टर में जेंडर समानता कार्यक्रम आयोजित

महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने विविध गतिविधियाँ संचालित

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के मदनपुर क्लस्टर में आज नई चेतना राष्ट्रीय अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण जेंडर (लैंगिक समानता) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत गरियाबंद अंतर्गत वसुंधरा संकुल संगठन मदनपुर में जेंडर अभियान अंतर्गत नई चेतना 4.0 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और समुदाय को जेंडर समानता के प्रति जागरूक करना था।यह कार्यक्रम चैतन्य संस्था और बिहान योजना अंतर्गत क्लस्टर की महिलाओं की उपस्थिति में शुरू हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और परिचय के साथ हुई, जिसके बाद सभी प्रतिभागियों ने शपथ ली। मुख्य गतिविधियाँ रंगोली कॉम्पिटिशन महिलाओं ने जेंडर समानता के विषयों पर आधारित रंगोलियाँ बनाईं, जिससे रचनात्मक रूप से संदेश दिया गया। दीदी के गोठ (चर्चा) समूह की महिलाओं के बीच जेंडर अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई। जेंडर गीत और वीडियो जागरूकता बढ़ाने के लिए जेंडर आधारित गीत प्रस्तुत किए गए और संबंधित वीडियो दिखाए गए। सांप-सीढ़ी की मज़ेदार गतिविधि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जीवन चक्र में लिंग आधारित भेदभाव से संबंधित साँप-सीढ़ी की गतिविधि थी, जिसे वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। सभी महिलाओं ने इस मजेदार गेम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सीढ़ी चढ़ना सीढ़ी चढ़ने पर प्रतिभागियों को जेंडर समानता से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी देनी थी,जो महिलाओं को शिक्षा और आर्थिक रूप से सशक्त बनाती हैं। साँप आना वहीं, साँप आने पर उन्हें समाज की रूढ़िवादी सोच और उससे होने वाले भेदभाव की जानकारी देनी पड़ी। यह गेम बहुत ही मनोरंजक और ज्ञानवर्धक रहा, जिसने जटिल विषय को सरल और प्रभावी तरीके से समझाया।अंत में,सभी प्रतिभागियों के साथ समूह फोटो लेकर कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह आयोजन नई चेतना राष्ट्रीय अभियान के तहत लैंगिक जागरूकता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत टीम बीपीएम क्षेत्रीय समन्वयक, क्लस्टर पदाधिकारी चित्रेखा, जीएमटी यस कुमारी, चैतन्य संस्था से विभा साहू, सीमा तिवारी संकुल संगठन केडर उपस्थित थे।

तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर पुलिया तोड़कर नीचे गिरा, चालक बाल-बाल बचा

कोरबा। अंबिकापुर-लखनपुर मार्ग (एनएच-130) पर शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। तेज रफ्तार से दौड़ रहा ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी पुलिया से टकराया और उसे तोड़ते हुए नीचे जा गिरा। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि चालक समय रहते कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर अंबिकापुर की ओर से लखनपुर दिशा में जा रहा था। पुलिया के पास पहुंचते ही वाहन का संतुलन बिगड़ गया। आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार के साथ वाहन में आई तकनीकी खराबी के कारण चालक ट्रेलर को नियंत्रित नहीं कर सका। गिरने के दौरान ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने एनएच-130 के इस हिस्से में लगातार हो रहे हादसों पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि मार्ग पर सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा प्रावधान मजबूत करने, चेतावनी संकेत बढ़ाने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम तत्काल उठाने की मांग की है।

इस वर्ष का अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत

दुर्ग (समय दर्शन)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में वर्ष 2025 का अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर 2025 को आयोजित किया जा रहा है। लोक अदालत एक ऐसा मंच है, जहां न्यायालयों में सौहार्दपूर्ण तरीके से समझौता किया जाता है। वर्षों का विवाद मिनटों में सुलझ जाता है। लोक अदालत में पक्षकारों का स्वागत है। इसी संदेश के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा इस वर्ष के अंतिम लोक अदालत का आयोजन आज किया जा रहा है। लोक अदालत में ना कोई जीतता है, ना कोई पक्ष हारता है, बल्कि दोनों पक्षों की जीत होती है। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा व्यापक रूप से प्रचार प्रसार शिविर एवं डोर टू डोर कैपेनिंग की गयी है, जिसमें लोक अदालत से संबंधित पाम्पलेट्स वितरित किया गया है, साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के यू-ट्यूब चैनल, फेसबुक पेज तथा इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से भी जनसामान्य को जागरूक किया गया है। नि:शुल्क विधिक जानकारी के लिये आप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के यू-ट्यूब चौनल, फेसबुक पेज तथा इंस्टाग्राम पेज को फॉलो कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा लोक अदालत में आने वाले पक्षकारों के लिये न्यायालय परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था जिला अस्पताल के समन्वय से किया गया है। इसके अतिरिक्त जरूरतमंदों की नि:शुल्क सेवा हेतु रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है, जिसमें प्रत्येक नागरिक हिस्सा ले सकता है तथा रक्तदान कर नि:शुल्क रक्तदान सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित कर सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग का जनसामान्य से यह अपील है कि नेशनल लोक अदालत में सक्रिय सहभागिता लेकर उसका लाभ प्राप्त करें।

अतिक्रमण कारियो द्वारा पंचायत प्रतिनिधि

विकास कार्य ठप – प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत डोगरीगांव के आश्रित ग्राम केशोडार/दर्रापारा में सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण और कब्जे को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है।पंचायत प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सार्वजनिक भूमि, सड़क मार्ग,नाली और अन्य विकास कार्यों के लिए आरक्षित शासकीय भूमि पर अनधिकृत रूप से मकान और आहता का निर्माण कर कब्जा जमाया जा रहा है।इसके चलते पंचायत क्षेत्र के विकास कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार,अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान एक अतिक्रमण कारी सहित कुछ लोगों ने विरोध भी किया,जिसकी जानकारी पंचायत प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को दी है। पंचायत प्रतिनिधियों ने कलेक्टर,अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जानकारी दी।ज्ञापन में बताया गया कि दर्रापारा क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों द्वारा खुद को मीडिया कर्मी बताकर दबाव बनाया जा रहा है और सरकारी कार्रवाई को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों के अनुसार, अवैध कब्जाधारियों द्वारा मोहल्ले में अशांति का माहौल पैदा किया जा रहा है ।

पंचायत का आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारियों से परिचय और लेनदेन कर लेने का हवाला देकर कार्रवाई से बेखौफ होने की बातें कही जा रही हैं। यही नहीं,सरपंच और उपसरपंच पर झूठे आरोप लगाकर अवैध वसूली का दुष्प्रचार किया जा रहा है तथा पंचायत पदाधिकारियों और पंचों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है।एक तरफ अतिक्रमण कारियो द्वारा बड़े बड़े सरकारी जमीन को आहता बनाकर कब्जा किया जा रहा है वही दूसरी ओर सरकारी भवन बनाने के लिए जमीन की कमी पड़ती जा रही है।स्थिति गंभीर होती देख पंचायत प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से अवैध कब्जे को तत्काल हटाने,दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने और क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

लोलेसरा में 21 से शुरू होगा संत समागम—कलेक्टर व एसपी ने लिया तैयारियों का जायजा, समयपूर्व सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण करने के निर्देश

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय से 5 किमी दूर लोलेसरा मैदान में कबीरपंथ के वंश गुरु पंथ श्री उग्रनाम साहेब की स्मृति में 21 से 23 जनवरी तक 3 दिवसीय संत समागम मेले का आयोजन किया जाना है। तैयारियों को परखने और व्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा तथा एसएसपी श्री रामकृष्ण साहू आज लोलेसरा पहुँचे और स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने मेला स्थल पर चल रही तैयारी की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, साफ-सफाई, सुरक्षा प्रबंधन जैसी आवश्यक सुविधाओं के उचित एवं समयबद्ध प्रबंध को सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि मेले में आने वाले संतों और श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हों ताकि आयोजन सुरक्षित, सफल और सुगम हो। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी टैंकर, मोबाइल टॉयलेट, सफाई व्यवस्था, सड़क समतलीकरण, ट्रैफिक एवं पार्किंग प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएँ, महिला पुलिस की तैनाती, सभी व्यवस्थाएँ निश्चित समय-सीमा के भीतर पूरी की जाएँ। उन्होंने अधिकारियों को मेले के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए सतर्क रहने और सभी प्रबंधों की नियमित निगरानी करने को कहा। एसपी श्री रामकृष्ण साहू ने 3 दिवसीय समागम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती महिला पुलिस की उपस्थिति, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारी को प्राथमिकता दी जाए, ताकि पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न हो। कलेक्टर ने कबीरपंथ के पदाधिकारियों को सुझाव दिया कि 3 दिवसीय मेले में अलग-अलग दिनों पर वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। मेला समिति के अध्यक्ष ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज, जिले के अधिकारी-कर्मचारी, समिति के सदस्य तथा ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव उपस्थित रहे। लोलेसरा में आयोजित यह संत समागम न केवल कबीरपंथ की आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है, बल्कि जिले में बड़े सांस्कृतिक आयोजन की उत्कृष्ट तैयारी और प्रशासन की सजगता का भी उदाहरण बनने जा रहा है।

लिंग आधारित हिंसा समाप्ति के लिए आयोजित 16 दिवसीय जागरूकता अभियान सम्पन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके के मार्गदर्शन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में संचालित जिले में लिंग आधारित हिंसा के उन्मूलन एवं महिलाओं की सुरक्षा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित 16 दिवसीय जागरूकता अभियान का समापन महिला सशक्तिकरण केंद्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक मनीषा वर्मा ने छात्र छात्राओं को लिंग आधारित हिंसा के विभिन्न रूपों,इसके सामाजिक,मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों तथा इससे बचाव एवं रिपोर्टिंग की प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।उन्होंने कहा कि बालिकाओं को आत्मनिर्भर एवं जागरूक बनाना ही हिंसा-मुक्त समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

महिला सशक्तिकरण केंद्र द्वारा जिलेभर में विद्यालयों,प्रशिक्षण संस्थानों एवं समुदायों में लिंग समानता,आत्मरक्षा,साइबर सुरक्षा,बाल विवाह निषेध,मानव तस्करी रोकथाम,कानून संबंधी अधिकारों तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। बालिकाओं को 181 महिला हेल्पलाइन,शी-बॉक्स पोर्टल और अन्य सुरक्षा सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गइसमापन अवसर पर छात्राओं द्वारा पोस्टर,निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। विजेताओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरित किए गए। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने इस अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग से जेंडर विशेषज्ञ पद्मिनी दीवान,अर्चना सिंह सहित,शोभा मरकाम, श्वेता शुक्ला सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

साई महोत्सव में प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर, विजेता किए गए पुरस्कृत

दुर्ग (समय दर्शन)। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर के वार्षिक साई महोत्सव में धार्मिक कार्यक्रमों के अलावा सांस्कृतिक आयोजनों की छटा बिखरी। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन,जिला भाजपाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, महापौर अलका बाघमार, पूर्व विधायक अरुण वोरा, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल समेत अन्य राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों,धार्मिक, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने शामिल होकर श्री साई बाबा के दर्शन किए और प्रदेशवासियों

की समृद्धि व खुशियाली के लिए कामना की। तीन दिवसीय महोत्सव में पूजी की थाली सजाओ, रंगोली, ड्रॉइंग एवं मेहन्दी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने सैकड़ों की संख्या में हिस्सा लेकर अपनी उत्कृष्ट कला कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं के परिणाम गुरुवार की शाम घोषित किए गए। तत्पश्चात विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सुराना कॉलेज वार्ड-40 की पार्षद सरिता चंद्राकर, गुरुघासीदास वार्ड-44 पार्षद मनीष कोठारी, भाजपा नेता विनोद चंद्राकर रहे। उन्होने आयोजन की सराहना करते हुए विजेताओं को पुरस्कृत कर सभी प्रतिभागियों को बेहतर कला कौशल के प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर श्री साई मंदिर समिति अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल, कोषाध्यक्ष सुजीत गुप्ता, सह-सचिव संतोष यदु, प्रचार सचिव सुरेश साहू, अजय सुरपाम, कार्यकारिणी सदस्य कौशल किशोर सिंह, गणेश निर्मलकर, जयंत खिरोडकर, प्रकाश शिवणकर, नारायणदत्त तिवारी, ईश्वर अग्रवाल, श्रीधर भजने एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री साई मंदिर समिति उपाध्यक्ष शिवाकांत तिवारी ने किया। प्रतियोगिता आयोजन समिति द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार पूजा की थाली सजाओ प्रतियोगिता के ए वर्ग में प्रथम सिद्धि इंगले, द्वितीय सोनाक्षी नायक, तृतीय नव्य वर्मा, सांत्वना पुरस्कार गरिमा गायकवाड़, दक्ष अग्रवाल, बी वर्ग में प्रथम भारती नामदेव, द्वितीय दुर्गा यादव, तृतीय साक्षी तम्बोली, सांत्वना पुरस्कार मनीष धृतलहरे को प्रदान किया गया। पूजा की थाली सजाओ प्रतियोगिता में वर्षा हासवानी को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार रंगोली प्रतियोगिता के ए वर्ग में प्रथम दीक्षा कौशल, द्वितीय फ्लक फातिमा, तृतीय याशी साहू, सांत्वना पुरस्कार खुशबू कौशल, रानी कोठारी, बी वर्ग में प्रथम अंजल यादव, द्वितीय अंजलि साहू व सांत्वना पुरस्कार सरिता देशलहरे को प्रदान किया गया। ड्रॉइंग प्रतियोगिता के ए वर्ग में प्रथम निधि यादव, द्वितीय आन्या सिंह, तृतीय इशनवी जैन, सांत्वना पुरस्कार गुनिका साहू, रिजा फातिमा, बी वर्ग में प्रथम सृष्टि माईटि, द्वितीय पूर्वी सेन, तृतीय घनश्याम यादव, सांत्वना पुरस्कार सौम्या साहू, सी वर्ग में प्रथम अंजली साहू, द्वितीय यमुना सारथी, तृतीय अंजल यादव, सांत्वना पुरस्कार अनुश्री उप्लव को प्रदान किया गया। मेहन्दी प्रतियोगिता में प्रथम हेतल, द्वितीय लीना साहू, तृतीय राबिया फातिमा और सांत्वना पुरस्कार भाविका जाधव को मिला। यह प्रतियोगिता शिवाकांत तिवारी, प्रीति राजपूत के मार्गदर्शन और संध्या साहू, तृप्ति राऊत, गिरिजा कोसरे, मेधा चंदेल, गुनगुन राऊत के सहयोग से आयोजित किए गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य योजनाओं में छत्तीसगढ़ की उपेक्षा पर मौन हैं भाजपा सांसद, सुविधाओं के नाम पर केवल घोषणा और शिलान्यास

रायपुर (समय दर्शन)। केंद्रीय स्वास्थ्य योजनाओं में छत्तीसगढ़ की उपेक्षा पर मौन साधने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सांसद दलीय चाटुकारिता में छत्तीसगढ़ का अहित कर रहे हैं, नया रायपुर अटल नगर में नयें ऐम्स के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने 50 एकड़ जमीन अधिग्रहीत करके केंद्र सरकार को नि: शुल्क उपलब्ध कराया है लेकिन नए एम्स के निर्माण के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने अब तक फूटी कौड़ी जारी नहीं किया है। आयुष्मान योजना की राशि दुर्भावना पूर्वक

रोक दी गई है, वैक्सीन, उपकरण और दवाएं समय पर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, पीएम योजना के तहत राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण केंद्र का शिलान्यास 6 दिसंबर 2023 को किया गया था, आगे कुछ हुआ नहीं लेकिन सुविधाओं के नाम पर केवल घोषणा और शिलान्यास तक ही सीमित रह गया है। मोदी और शाह के सामने भाजपा सांसदों की बोलती बंद है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा के नेता मंत्री एक ही काम का श्रेय दो-दो बार ले लेते हैं लेकिन जनता को लाभ कुछ होता नहीं। पिछले 4 साल से छत्तीसगढ़ में केन्द्रीय छय नियंत्रण संस्थान का दावा भाजपाई कर रहे हैं, पहले मांडवीया स्वास्थ्य मंत्री थे फिर जेपी नड्डा बने, दोनों ने छत्तीसगढ़ की जनता से छल किया, नाम पट्टीका और वृक्ष लगाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ लिए।

सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा नेताओं की दुर्भावना और अर्कमण्यता से छत्तीसगढ़ में तमाम केंद्रीय स्वास्थ्य योजनाएं दम तोड़ रही है, एम्स रायपुर में डॉक्टर और विशेषज्ञों का अभाव है, नर्स और टेक्नीशियन की कमी लगातार बनी हुई है, नर्सिंग स्टाफ की कमी के चलते पिछले दो महीनो से केंद्रीय कुष्ठ अस्पताल में मरीजों की भर्ती बंद है, फंड के अभाव में मलेरिया नियंत्रण के कार्यक्रम बाधित हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ के भाजपा सांसद कुंभकर्णीय नींद से जाग नहीं रहे।

विदेशी कपड़ा रोकते हुए कुचलकर शहीद—स्वदेशी आंदोलन के मजदूर नायक बाबू गेनू की गाथा

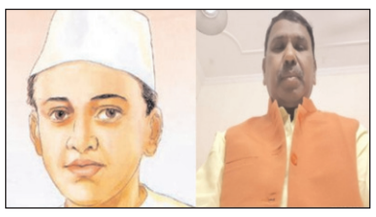

दुर्ग (समय दर्शन)। स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में 12 दिसंबर 1930 की सुबह आज भी एक अमर गाथा की तरह दर्ज है। मुंबई के काला घोड़ा इलाके में विदेशी कपड़े से भरा एक अंग्रेजी ट्रक रोकने के प्रयास में मजदूर वर्ग के युवा स्वतंत्रता सेनानी बाबू गेनू सखाराम को बेरहमी से कुचल दिया गया। यह घटना न केवल पूरे शहर में आक्रोश का ज्वार बनकर फैल गई, बल्कि स्वदेशी आंदोलन को नई ऊर्जा भी दे गई।

गाँव से उठकर आंदोलन का चेहरा बने गेनू

रायगढ़ जिले के महाड़ तालुका में जन्मे बाबू गेनू एक मजदूर परिवार से थे। मुंबई में मजदूरी करते हुए भी उनके दिल में देशभक्ति की लौ प्रज्वलित थी। गांधीजी के नेतृत्व में चल रहे विदेशी वस्तु बहिष्कार आंदोलन में वे सक्रिय रूप से शामिल हुए और आम लोगों को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित करते रहे।

घटना सुबह 9 बजे के आसपास— जनता और पुलिस आमने-सामने

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विदेशी कपड़ा लेकर जा रहे ट्रक को कार्यकर्ताओं के एक समूह ने रोकने की कोशिश की। आगे-आगे बाबू गेनू थे। अंग्रेज अधिकारी ने ट्रक चालक को आगे बढ़ने का आदेश दिया। चेतावनी के बावजूद गेनू हटे नहीं। देखते ही देखते ट्रक तेजी से आगे बढ़ा और गेनू को रौंदते हुए निकल गया। मौके पर चीख-पुकार मच गई और भीड़ ने अंग्रेजी शासन के खिलाफतीव्र नारे लगाए। घटना की खबर फैलते ही मुंबई के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। मजदूर संगठनों, छात्रों और आम जनता ने बाबू गेनू की शहादत को 'आज़ादी की कीमत' बताते हुए विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार को और तेज कर दिया। नेताओं ने इसे अंग्रेजी शासन की क्रूरता करार देते हुए कहा कि ब्रिटिश सरकार आम भारतीय के खून से अपने व्यापार को सींच रही है।

स्वदेशी आंदोलन को मिला जनसैनिक

बाबू गेनू की शहादत के बाद महाराष्ट्र भर में स्वदेशी आंदोलन तेज हुआ। कई शहरों में विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए जुलूस निकाले गए। इतिहासकारों के अनुसार, बाबू गेनू की बलिदान गाथा ने आम मजदूरों में वह आत्मविश्वास भरा, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को मजबूत जनाधार प्रदान किया। आज मुंबई, पुणे और अन्य शहरों में कई स्थानों का नाम 'बाबू गेनू चौक' रखा गया है। स्कूलों में उनके बलिदान की कथा सुनाई जाती है ताकि आने वाली पीढ़ियाँ समझ सकें कि आज़ादी केवल नेताओं के भाषणों से नहीं, बल्कि आम भारतीयों के साहस से मिली है। बाबू गेनू सखाराम आज भी स्वतंत्रता संग्राम में मजदूर वर्ग के सबसे बड़े नायकों में गिने जाते हैं। उनकी शहादत यह संदेश देती है कि अन्याय के सामने खड़े होने की कीमत चाहे प्राण क्यों न हों—लेकिन सत्य और स्वदेश का रास्ता कभी नहीं छोड़ा जा सकता।

विजय की चेस पर नए अध्यक्षों की होगी भ्रुण हत्या, क्या जूनियर जूनियर ही रहेगा

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर जिला कांग्रेस ग्रामीण और शहर को उनके नए अध्यक्ष मिल चुके हैं। पुराने अध्यक्षों ने निष्क्रियता का जो रिकॉर्ड बनाया वह कांग्रेस की दुर्दशा का कारण बना ऐसे बहुत से जनहित के और नीतिगत मामले थे जिन पर कांग्रेस को आवाज उठनी थी पर नहीं उठाई गई। जब तै हो गया कि अब तो अध्यक्ष बदले ही जाएंगे तब सुस्त पड़े दोनों अध्यक्ष सक्रिय हुए विशेष कर जिला ग्रामीण अध्यक्ष की सक्रियता तो अचानक बढ़ ही गई। यह सक्रियता

अभी भी लगातार बनी हुई है उनकी यह सक्रियता अब कांग्रेस को लाभ के स्थान पर नुकसान पहुंचाएगी। जिन्हें नया पद मिला है वह छात्र राजनीति से आए हैं और पुराने ग्रामीण अध्यक्ष भी छात्र राजनीति में ही थे। पुराने की सक्रियता से ऐसा लगता है कि वे नए अध्यक्षों को अपने नीचे ही रखना चाहते हैं और इस काम में वे बड़ी चतुराई से मीडिया का उपयोग भी कर रहे हैं। जब प्रदेश में ऐसा एस आई आर प्रारंभ हुआ तो जिला ग्रामीण अध्यक्ष बी एल ए के लिए नाम देने में भी सुस्त थे। भाजपा के मुकाबले उनका खाता भी नहीं खुला था मतलब कांग्रेस की दिशा निर्देश पर उन्होंने जो भूत कमेटी और बूथ अध्यक्ष बनाए थे वे सक्रिय नहीं थे अन्यथा बी एल ए का नाम देने में देर क्यों लगी। एस आई आर के कुछ दिन पहले ही उन्होंने बेलतरा विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची की गड़बड़ियों पर पत्रकार वार्ता भी की थी। अभी एक दिन पूर्व, पूर्व ग्रामीण अध्यक्ष ने फिर से मतदाता सूची के संदर्भ में एक खुलासा किया। विस्तार से समाचार प्रकाशित करवाया फिर इस मुद्दे पर पत्रकार वार्ता भी की दोनों नए अध्यक्षों को आजू-बाजू बैठा लिया पर पत्रकार वार्ता के हीरो स्वयं ही बने रहे। इनके पहले कांग्रेस में ऐसा कभी नहीं हुआ कि ऐसा अध्यक्ष जिसकी विदाई हो चुकी वह वर्तमान अध्यक्ष को अपने साथ बैठाल कर मीडिया को संबोधित करें। पूर्व अध्यक्ष की अति सक्रियता राजनीति हलकों में इस तरह देखी जा रही है कि सत्ताधारी पार्टी से नजदीकी निभाने का शौक पूरा नहीं हो रहा है। छात्र राजनीति के जमाने से ही जो जूनियर था अभी भी जूनियर ही है और अपना अलग वजूद बना ही नहीं पा रहा यदि यह स्थिति कुछ सप्ताह और रही तो नए अध्यक्ष अपनी शाखाएं दिख ही नहीं पाएंगे। वैसे भी जब तक प्रदेश कांग्रेस को नया अध्यक्ष नहीं मिलेगा तब तक नव नियुक्त जिला ग्रामीण एवं शहर अध्यक्ष स्वतंत्रता पूर्वक काम ही नहीं कर पाएंगे हो सकता है पार्टी में उनकी भ्रूण हत्या हो जाए।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे कि बाढ़, विकास कार्य ठप — प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत डोगरीगांव के आश्रित ग्राम केशोडार/दर्रापारा में सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण और कब्जे को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। पंचायत प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सार्वजनिक भूमि, सड़क मार्ग, नाली और अन्य विकास कार्यों के लिए आरक्षित शासकीय भूमि पर अनधिकृत रूप से मकान और आहता का निर्माण कर कब्जा जमाया जा रहा है। इसके चलते पंचायत क्षेत्र के विकास कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान एक यूट्यूबर सहित कुछ लोगों ने कार्यवाही का विरोध भी किया, जिसकी जानकारी पंचायत प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को दी है।

पंचायत प्रतिनिधियों ने कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जानकारी दी। ज्ञापन में बताया गया कि दर्रापारा क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों द्वारा खुद को मीडिया कर्मी बताकर दबाव बनाया जा रहा है और सरकारी कार्रवाई को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों के अनुसार, अवैध कब्जाधारियों द्वारा मोहल्ले में अशांति का माहौल पैदा किया जा रहा है । पंचायत का आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारियों से परिचय का हवाला देकर कार्रवाई से बेखौफहोने की बातें कही जा रही हैं। यही नहीं, सरपंच और उपसरपंच पर झूठे आरोप लगाकर अवैध वसूली का दुष्प्रचार किया जा रहा है तथा पंचायत पदाधिकारियों और पंचों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। स्थिति गंभीर होती देख पंचायत प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से अवैध कब्जे को तत्काल हटाने, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने और क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

नालसा एवं सालसा के निर्देशानुसार 12 दिसम्बर, 2025 को विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य परीक्षण एवं जॉच शिविर का किया गया आयोजन

बेमेतरा (समय दर्शन)। श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में एवं श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में माननीय नालसा एवं सालसा के निर्देशानुसार 12 दिसम्बर, 2025 को विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत गुनरबोड़ स्थित श्री श्याम शक्ति प?लाई एस ब्रिक्स व ईंट भट्ठा एवं नवीन निर्माणाधीन न्यायालय भवन में स्वास्थ्य विभाग के टीम के साथ स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित कर वहां कार्यरत मजदूरों की स्टॉफ नर्स दीपांजली डेनियल द्वारा बीपी, शुगर जाँच, श्रीमती दीपा शर्मा, नेत्र सहायक अधिकारी द्वारा नेत्र जॉच आवश्यकतानुसार दवाई उपलब्ध कराया तथा उन्हें नियमित रूप से टिटनेश का टीका प्रत्येक छ:माही में लगवाने, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने एवं शासन की योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कल्याण, जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यकम से मिल रहे स्वास्थ्य संबंधी लाभ का उपयोग करने एवं रूटिन स्वास्थ्य जाँच कराने के संबंध में चर्चा किया गया, इसके अतिरिक्त वृद्धाश्रम कंतेली, वृद्धाश्रम कोबिया, बेमेतरा में भी वृद्ध जनों हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त-खबर

जिला स्तरीय युवा महोत्सव, पंजीयन की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग, गरियाबंद द्वारा जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 16 दिसम्बर 2025 को प्रात: 10 बजे से सांस्कृतिक भवन परिसर, सिविल लाईन गरियाबंद में आयोजित किया जाएगा। युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अवसर प्रदान करने के लिए इस वर्ष भी युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।जिला स्तरीय युवा उत्सव भाग लेने के लिए 15 दिसम्बर तक पंजीयन करा सकते है।

प्रभारी खेल अधिकारी ने बताया कि युवा उत्सव में जिले के प्रतिभाशाली युवाओं को विभिन्न विधाओं में अपनी कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इस युवा महोत्सव में लोक नृत्य एवं लोक गीत में सदस्यों की संख्या 10-10 होगी एवं 3 संकतकार अतिरिक्त होंगे। पंथी नृत्य, राउत नाचा, सुआ नृत्य, करमा नृत्य में सदस्यों की संख्या 10-10 होगी एवं 2 संकतकार अतिरिक्त होंगे।कहानी लेखन, चित्रकला,कविता लेखन,वाद-विवाद में एक-एक सदस्य एवं नवाचार में दो सदस्य, एकांकी नाटक में कलाकारों की संख्या-12,पारंपरिक वेश-भूषा,रॉक बैंड संख्या-10 यह सभी विधायें शामिल है। जिसमें 15 से 29 वर्ष (प्रतिभागियों का) एवं 18 से 40 वर्ष (संगतकारों का) आयु वर्ग तक के प्रतिभागी जिला स्तर युवा उत्सव में हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। पंजीयन के लिए जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मोबाइल नंबर में सम्पर्क कर सकते है।

दो दिवसीय कबड्डी का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। कान्हा युवा मण्डल गांधी मैदान के तत्वावधान में 13 व 14 दिसंबर से 2 दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गरियाबंद जिले के अलावा धमतरी और महासमुंद जिले की भी टीम हिस्सा लेगी।इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए संजीव साहू ने बताया स्वर्गीय अकबर खान की स्मृति में आयोजित इस दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ 13 दिसंबर को प्रात: 11 बजे होगा जिसमें गरियाबंद जिले से देवभोग, अमेठी, गरियाबंद पुलिस, मैनपुर, अमलोर, तर्रा, तिलइ दादर, खूदियाडीह, बोढ़रा बांधा, महासमुंद जिले से बसना, महासमुंद, धमतरी के साथ ही 22 टीम कबड्डी के इस महामुक़ाबले में भाग लेंगी।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 20000 रुपये,द्वितीय को 10000 रू, तृतीय को 5000 रू एवं चतुर्थ को 3000 रू के साथ ही अन्य आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री धनङ्धान्य कृषि योजना से छत्तीसगढ़ के किसान होंगे सशक्त, कम उत्पादकता वाले जिलों में नई कृषि क्रांति की शुरुआत

बेमेतरा(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को छत्तीसगढ़ में तेज गति से लागू किया जा रहा है, जिसके माध्यम से राज्य के कम उत्पादकता वाले जिलों—दंतेवाड़ा, कोरबा और जशपुर—को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का व्यापक प्रयास शुरू हो चुका है। यह केंद्र सरकार की एक महत्त्वपूर्ण कृषि उन्नयन योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और खेती को आधुनिक एवं टिकाऊ रूप में विकसित करना है। योजना के तहत इन जिलों में दलहन, तिलहन, प्राकृतिक खेती, मोटे अनाज, बागवानी और अन्य वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि कृषि विविधता बढ़े और किसान एक ही फसल पर निर्भर न रहें। इससे न केवल उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि बाजार में किसानों की बार्गेनिंग पावर भी मजबूत होगी। सरकार का लक्ष्य इन जिलों को उदाहरणात्मक मॉडल के रूप में विकसित करना है, जिससे कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों में भी बेहतर परिणाम प्राप्त हों। किसानों को तकनीकी सहायता, उन्नत प्रशिक्षण, बीज उत्पादन को प्रोत्साहन, खेत स्तर पर वैज्ञानिक तरीके अपनाने की जानकारी और कृषि उपकरणों तक आसान पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को गांवङ्गांव भेजकर किसानों को बेहतर खेती पद्धतियों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे कम लागत में अधिक उत्पादन ले सकें।योजना के प्रभाव से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। बीज उत्पादन, प्रसंस्करण इकाइयों, जैविक खाद निर्माण, समूह आधारित खेती और महिला स्वङ्गसहायता समूहों के माध्यम से पूरक गतिविधियाँ तेजी से विकसित की जा रही हैं।

नक्सलियों का आईईडी प्लांट ध्वस्त, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

गरियाबंद पुलिस की बड़ी सफलता

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के थाना इंदागांव क्षेत्र के ओडिशा बॉर्डर से सटी ग्राम अमली के जंगल में नक्सलियों की एक खतरनाक साजिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया। जिला पुलिस गरियाबंद और सीआरपीएफ 211 बटालियन की संयुक्त टीम ने सर्चिंग अभियान चलाकर नक्सलियों द्वारा लगाए गए ड्डश्वष्ठ को मौके पर ही विस्फोट कर नष्ट कर दिया और आसपास के क्षेत्र से भारी मात्रा में विस्फोटक व दैनिक उपयोग के सामान बरामद किया।

ज्ञात हो कि जिला मुख्यालय से लगभग 80 किमी दूर ग्राम अमली का जंगल क्षेत्र में जिला पुलिस, बीडीएस टीम और सीआरपीएफ ए /211 की संयुक्त कार्रवाई लिया गया,ये घटना

नक्सलियों द्वारा ग्रामीणों और पुलिस पार्टी को नुकसान पहुंचाने की गहरी साजिश के तहत किया गया था जिसे सुरक्षा मानकों के पालन के बाद ड्डश्वष्ठ को सुरक्षित रूप से ब्लास्ट कर नष्ट किया गया।इस घटना के पश्चात 2 नग सिंगल शॉट हथियार,5 डेटोनेटर,इलेक्ट्रिक वायर बंडल,बैटरी,खाली टिफिन बॉक्स,गर्म कपड़े, दवाईयां,रस्सी,चप्पल,पानी की बोतल जप्त किया गया।टीम ने घने जंगल में सर्चिंग के दौरान एक पेड़ के नीचे दबा हुआ प्लास्टिक ड्रम भी खोज निकाला, जिसमें नक्सल गतिविधियों से जुड़ी सामग्रियां बड़ी मात्रा में सुरक्षित रखी गई थीं।

नक्सलियों की साजिश विफल

,माओवादी संगठन डीजीएन डिवीजन द्वारा पुलिस और ग्रामीणों के खिलाफ बड़ी वारदात की तैयारी की जा रही थी, लेकिन स्थानीय सूचना और सुरक्षा बलों की सतर्कता से इस खतरनाक योजना को समय रहते नाकाम कर दिया गया।गरियाबंद पुलिस ने इसे बड़ी सफलता बताते हुए कहा है कि क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

कम वर्षा के चलते इस वर्ष लगाएंगे गेहूं, चना, सरसों और तिवड़ा

जल संकट से सबक : ग्राम मुरता के किसानों ने ग्रीष्मकालीन धान छोड़ अपनाया फसल चक्र परिवर्तन

बेमेतरा (समय दर्शन)। बेमेतरा जिले में इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा होने के कारण कई क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है। इसी गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए ग्राम-मुरता, तहसील नवागढ़ के किसान संतोष कुमार साहू, पिता बुधारी साहू ने सभी किसान साथियों से महत्वपूर्ण अपील करते हुए बताया कि गांव के किसानों ने इस वर्ष ग्रीष्मकालीन धान की जगह कम पानी वाली फसलों को अपनाने का सामूहिक निर्णय लिया है। संतोष कुमार साहू ने बताया कि गत वर्ष ग्राम-मुरता में लगभग 55 एकड़ में ग्रीष्मकालीन धान की खेती की गई थी, जिसमें स्वयं उन्होंने 5 एकड़ में धान लगाया था। लेकिन इस फसल के कारण ग्रीष्म ऋतु में गंभीर जल संकट उत्पन्न हुआ और पेयजल की उपलब्धता भी प्रभावित हुई। पानी की इसी कमी से सबक लेते हुए ग्राम के किसानों ने इस बार जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फसल चक्र परिवर्तन अपनाने का निर्णय लिया है। इस वर्ष जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा भी किसानों से अपील की गई है कि कम वर्षा को देखते हुए गर्मी में धान की जगह रबी फसलें लें, जिससे पानी की बचत हो सके और भविष्य में पेयजल संकट न आए। इसी के अनुरूप ग्राम-मुरता के किसानों ने निर्णय लिया है कि इस बार खेतों में गेहूं, चना, सरसों, तिवड़ा और अन्य दलहन-तिलहन जैसी कम पानी वाली फसलें बोई जाएंगी, जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के साथ-साथ जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी। किसानों का मानना है कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना के तहत सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से रबी में दलहन-तिलहन फसलों का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है, जिससे इन फसलों की खेती करने पर उन्हें आर्थिक लाभ भी मिलेगा। साथ ही, जल संकट के दौरान निस्तारी एवं पेयजल की समस्या भी नहीं होगी। संतोष साहू ने सभी किसान भाइयों से आग्रह किया है कि इस वर्ष फसल चक्र परिवर्तन अपनाकर मिट्टी को स्वस्थ रखें, पानी की बचत करें और अपनी कृषि को टिकाऊ दिशा में आगे बढ़ाएं। उनका कहना है कि सामूहिक रूप से लिया गया यह निर्णय गांव के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26